सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 335 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 16 जनवरी, 2024
मूल्य ₹ 3/-

हम ऐसी दुनिया में जीते हैं जहां फेसबुक पर हमारे बहुत से दोस्त हैं पर फिर भी हमने मानवीय लगाव खो दिया है।
-रॉबिन शर्मा

लोकतंत्र को कमजोर करने पर तुली... 2 | महाराष्ट्र की सियासत से फिर उठी... 3 | राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह... 7

नागालैंड में मोदी सरकार के विकास के दावे की कांग्रेस ने खोली पोल

» नेशनल हाईवे 29 की सड़क के गड्ढे दिखाकर गडकरी को भी घेरा
» भारत जोड़ो न्याय यात्रा का तीसरा दिन शुरू, लोगों में दिख रहा उत्साह
» भीड़ की हुजूम से पट रहीं गलियां, भाजपा बोली केवल झूठ फैलाया जा रहा है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोहिमा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में निकाली जा रही भारत जोड़ो न्याय यात्रा का 16 जनवरी को तीसरा दिन है। यात्रा के दौरान लोगों में उत्साह देखा जा रहा है। नागालैंड में कांग्रेस नेताओं के साथ लोगों का हुजूम बढ़ता जा रहा है। वहीं कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने राज्य की सड़कों के गड्ढे की वीडियो को दिखाकर मोदी सरकार के विकास के दावे की कलई भी खोली है।

यही नहीं उन्होंने 2015 में भारत सरकार और एनएससीएन-आईएम द्वारा हस्ताक्षरित एक मसौदा समझौते का ''कार्यान्वयन नहीं होने''पर भी मोदी सरकार घेरा। उधर इन सब बातों पर बीजेपी ने कहा है सिर्फ झूठ फैलाया जा रहा है। यात्रा की तीसरे दिन राहुल गांधी द्वितीय विश्व युद्ध के स्मारक पर पुष्पांजलि भी अर्पित करेंगे। इसके अलावा हाई स्कूल जंक्शन पर राहुल गांधी सार्वजनिक बैठक को संबोधित करेंगे। बता दें कि नागालैंड में राहुल गांधी को पांच जिलों में जाना है जिसमें कोहिमा, त्सेमिन्यु, वोखा, जुन्हेबोटो और मोकोकचुंग शामिल है। इन सभी जिलों में राहुल गांधी को रैलियां निकालनी है। कांग्रेस की नगालैंड इकाई के कार्यकारी अध्यक्ष खीदी थेनुओ ने बताया कि अपने प्रवास के दौरान राहुल गांधी नगा होहो सहित नगा आदिवासी संगठनों, नागरिक संस्थाओं और चर्च निकायों के साथ उनके मुद्दों और समस्याओं पर बंद कमरे में बैठकें करेंगे। ज्ञात हो कि मंगलवार की सुबह नागालैंड की राजधानी कोहिमा की विसवेमा इलाके से इस यात्रा की शुरुआत हुई है। सोमवार की शाम को राहुल गांधी नागालैंड पहुंचे थे। इसके बाद उन्होंने स्थानीय लोगों से मुलाकात की थी।

सड़कों के गड्ढे बता रहे बीजेपी सरकार ने क्या किया : जयराम

इस यात्रा के दौरान कांग्रेस नेता जय राम रमेश ने केंद्र सरकार को घेरते हुए निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि यह नेशनल हाईवे 29 है जिसकी हालत आपको दिख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और परिवहन मंत्री नितिन गडकरी बहुत दावे करते हैं जो सच्चाई से उलट है। सड़कों पर सिर्फ गड्ढे हैं। कांग्रेस के प्रवक्ता ने बताया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' सोमवार शाम नगालैंड पहुंची। राहुल गांधी अपनी पार्टी के सहयोगियों के साथ मणिपुर की सीमा से लगे कोहिमा जिले के खुजामा गांव पहुंचे। इस यात्रा को रविवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मणिपुर के थौबल में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। राहुल गांधी और उनकी टीम का खुजामा में लोगों ने स्वागत किया। वह रात्रि विश्राम गांव में ही किया।

एनएससीएन-आईएम मसौदा समझौता अब भी अधर में, कांग्रेस करे मदद : नगा होहो

नगा जनजातीय समूहों के शीर्ष संगठन 'नगा होहो' के एक प्रतिनिधिमंडल ने यहां कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात की और उनसे 2015 में भारत सरकार और एनएससीएन-आईएम द्वारा हस्ताक्षरित एक मसौदा समझौते का ''कार्यान्वयन नहीं होने'' के मुद्दे को संसद में उठाने का आग्रह किया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि विभिन्न राज्यों के नगा संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले 'नगा होहो' के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार देर शाम नगालैंड के खुजामा मैदान में 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' शिविर स्थल पर गांधी से मुलाकात की। रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि नगा समूह ने तीन अगस्त, 2015 को भारत सरकार और एनएससीएन-आईएम द्वारा हस्ताक्षरित मसौदा समझौते के ''गैर-कार्यान्वयन'' पर एक ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस नेता ने कटाक्ष करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस समझौते को एक सफलता तथा समाधान बताया था और इसकी सराहना की थी।

मथुरा शाही ईदगाह के सर्वे पर 'सुप्रीम' रोक

» हाईकोर्ट से मस्जिद पक्ष की याचिका सुनने को कहा
» 23 जनवरी को फिर होगी सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मथुरा में शाही मस्जिद (विवादित परिसर) के सर्वे के आदेश पर मंगलवार (16 जनवरी, 2024) को सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। मामले की सुनवाई के दौरान टॉप कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट याचिकाओं के सुनवाई योग्य होने के खिलाफ मस्जिद पक्ष की याचिका को सुने।

इससे पहले, सर्वे से जुड़ा आदेश इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दिया था, जबकि शाही ईदगाह कमेटी ने मथुरा की जिला अदालत से सभी मामले हाईकोर्ट ट्रांसफर किए जाने का विरोध किया है, 23 जनवरी, 2024 को अब इस मसले पर अगली सुनवाई होगी। बता दें कि मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर केस में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 14 दिसंबर 2023 को फैसला सुनाया था। तब हाईकोर्ट ने मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर और शाही ईदगाह मस्जिद विवाद परशाही ईदगाह मस्जिद के विवादित स्थल पर सर्वे को मंजूरी दी थी। हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन के अनुसार हाईकोर्ट में दायर याचिका में दावा किया गया था कि वहां कमल के आकार का एक स्तंभ है जोकि हिंदू मंदिरों की एक विशेषता है और शेषनाग की एक प्रतिकृति है जो हिंदू देवताओं में से एक हैं और जिन्होंने जन्म की रात भगवान कृष्ण की रक्षा की थी।

एडवोकेट कमिश्नर को दिया था सर्वे का आदेश

कोर्ट ने विवादित जमीन का सर्वे एडवोकेट कमिश्नर के जरिए कराए जाने की मांग को भी मंजूरी दे दी थी। कोर्ट ने अपने फैसले में ज्ञानवापी विवाद की तर्ज पर मथुरा के विवादित परिसर का भी सर्वे एडवोकेट कमिश्नर के जरिए कराए जाने का आदेश दिया था। यह याचिका भगवान श्री कृष्ण विराजमान और सात अन्य लोगों द्वारा अधिवक्ता हरिशंकर जैन, विष्णु शंकर जैन, प्रभाष पांडेय और देवकी नंदन के जरिए दायर की गई थी। जिसमें दावा किया गया है कि भगवान कृष्ण की जन्मस्थली उस मस्जिद के नीचे मौजूद है और ऐसे कई संकेत हैं जो यह साबित करते हैं कि वह मस्जिद एक हिंदू मंदिर है।

झुग्गियों को उजाड़ना चाहती है भाजपा सरकार : आतिशी

» आप ने शुरू किया घर बचाओ, भाजपा हटाओ अभियान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में एकबार फिर आप और बीजेपी आमने-सामने आ गए हैं। दिल्ली के कैबिनेट मंत्री आतिशी और सौरभ भारद्वाज ने राष्ट्रीय राजधानी में झुग्गी बस्तियों का दौरा किया और भाजपा पर झुग्गीवासियों को हटाने की साजिश रचने का आरोप लगाया। दिल्ली की झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों को बेघर करने की भाजपा शासित केंद्र सरकार की कथित नीति के खिलाफ आप का घर बचाओ, भाजपा हटाओ अभियान शुरू हुआ। आतिशी ने बी आर कैंप झुग्गी बस्ती का दौरा किया, जबकि उनके कैबिनेट सहयोगी भारद्वाज ने दक्षिणी दिल्ली में सफदरजंग फ्लाइंग क्लब के पास झुग्गियों के निवासियों से मुलाकात की।

आतिशी ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार दिल्ली की झुग्गी बस्तियों को उजाड़ कर वहां के निवासियों को उनके घरों से 40 से 50 किमी दूर बसाने की साजिश कर रही है। आप और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल उनके (झुग्गीवासियों) साथ खड़े हैं। मंत्री ने कहा कि जब तक बी आर कैंप के लोगों को उनके मौजूदा घरों के बराबर जगह पर फ्लैट नहीं मिलेंगे, तब तक वे डीडीए को एक भी घर छूने नहीं देंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि चाहे बुलडोजर के सामने खड़ा होना पड़े या कोर्ट से आदेश लेना पड़े, आम आदमी पार्टी बी आर कैंप की झुग्गियों में रहने वाले लोगों को बेघर नहीं होने देगी।

50 किमी दूर स्थानांतरित होने के लिए मजबूर कर रहा डीडीए

मंत्री ने कहा, भाजपा के नेतृत्व वाली डीडीए झुग्गीवासियों को 50 किमी दूर नरेला और काकरोला में स्थानांतरित होने के लिए मजबूर कर रही है, जिससे उन्हें उनकी नौकरियों और उनके बच्चों के स्कूलों से मीलों दूर धकेल दिया जा रहा है। इसी तरह के विचार व्यक्त करते हुए, भारद्वाज ने कहा कि ड्राइवर, नौकरानियां, रसोइया आदि अपने परिवारों के साथ दिल्ली के जेजे क्लस्टर में रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार इन लोगों को उनके घरों से निकालने के लिए उनके खिलाफ साजिश रच रही है। कानून के अनुसार, अधिकारी किसी सूचीबद्ध क्लस्टर को उचित घर दिए बिना उसे ध्वस्त नहीं कर सकते। भाजपा जो कर रही है वह अवैध और अमानवीय है। भारद्वाज ने न्यायपालिका से किसी भी झुग्गी-झोपड़ी समूह को तब तक ध्वस्त करने का आदेश नहीं देने का आग्रह किया, जब तक कि झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों को कानून के अनुसार यथास्थान घर उपलब्ध नहीं करा दिया जाता। मंत्री ने कहा कि सफदरजंग फ्लाइंग क्लब के क्लब क्लस्टर में, रेलवे ने नोटिस किया है कि लोगों को खुद ही खाली कर देना चाहिए, जबकि पुनर्वास की जिम्मेदारी केंद्र सरकार की है।

योजनाओं को वास्तविक गरीबों तक नहीं पहुंचने दिया : सचदेवा

बीजेपी ने आप पर हमला बोलते हुए कहा कि केंद्र ने दिल्ली के गरीबों के लिए कठपुतली कॉलोनी, कालकाजी और जेलरवाला बाग में हजारों घर बनाए हैं लेकिन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को बताना चाहिए कि उन्होंने गरीबों को घर देने के लिए क्या किया है। उसने कहा कि मोदी सरकार दिल्ली में 72 लाख लोगों को लगातार मुफ्त राशन उपलब्ध करा रही है, लगभग दो लाख मुफ्त उज्ज्वला कनेक्शन प्रदान किए हैं और लाखों गरीबों को सुनिधि रोजगार ऋण प्रदान किया है। दिल्ली भाजपा प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, इसके विपरीत, वादे के बावजूद, केजरीवाल ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ किराए के मकानों में रहने वाले वास्तविक गरीबों तक नहीं पहुंचने दिया।

भगवान राम पर किसी का एकाधिकार नहीं : अविनाश

» प्राण प्रतिष्ठा में आमंत्रण की जरूरत नहीं : अजय राय

» राम सबके हैं, राजनीति की कोई गुंजाइश नहीं : हुड्डा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मंदिर के उद्घाटन के आमंत्रण को ठुकराने पर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा किसी भी मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा पर आमंत्रण का कोई भी प्रावधान नहीं है। किसी को भी मंदिर में आमंत्रित नहीं किया जाता। व्यक्ति स्वत: आस्था के साथ आता है। शीघ्र ही सोनिया गांधी जी मंदिर में दर्शन के लिए आएंगी। उनके प्रतिनिधिमंडल के रूप में ही उनका पैगाम लेकर अयोध्या की इस पावन धरती पर आए हैं। सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि राम लला से देश के साथ पूरे विश्व के कल्याण का आशीर्वाद मांगा।

राम सबके हैं। सबमें हैं। बोले यहां राजनीति की गुंजाइश नहीं है। राजनीतिक टिप्पणी नहीं करेंगे। वहीं प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने कहा कि रामलला पर किसी का एकाधिकार नहीं है। हर कोई दर्शन-पूजन कर सकता है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने आरोप लगाया है कि भाजपा भगवान राम के नाम पर राजनीति कर रही है। यूपी कांग्रेस के बड़े नेताओं ने सरयू नदी में डुबकी लगाने के बाद रामलला के दर्शन किए। राज्यसभा सदस्य दीपेंद्र सिंह हुड्डा सहित कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं ने मकर संक्रांति पर सोमवार को रामलला के दरबार में मत्था टेका। सुखद अनुभूति का अहसास बताया। विश्व में शांति का आशीर्वाद मांगा। नेताओं ने राम लला के पुजारी सत्येंद्र दास से मुलाकात की। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के राममंदिर में रामलला के दर्शन करने जाने के दौरान बाहर एक कार्यकर्ता से कांग्रेसी झंडे को लेकर छीना-झपटी हुई।

राष्ट्र प्रेम करने में सैनिकों का बखान शब्दों में नहीं : राजनाथ

» रक्षा मंत्री ने सैन्य और युद्ध प्रदर्शन शौर्य संध्या में लिया भाग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय सैनिक दुश्मन से नफरत की वजह से अपनी आखिरी सांस तक नहीं लड़ता है, बल्कि देश प्रेम के कारण वह लड़ता है। सैन्य और युद्ध प्रदर्शन शौर्य संध्या को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा, भारतीय सैनिक जब अपनी आखिरी सांस तक दुश्मन से लड़ता है, तो वह इसलिए नहीं लड़ता क्योंकि वह दुश्मन से नफरत करता है, बल्कि वह इसलिए लड़ता है क्योंकि वह अपने देश से प्यार करता है।

यही देशभक्ति उसके अंदर साहस की ऐसी भावना भरती है, जिससे प्रेरणा पाकर वह अपने प्राणों तक को दांव पर लगाने में भी पीछे नहीं हटता। रक्षा मंत्री ने कहा, राष्ट्र प्रेम की जब बात आती है, तो मुझे ऐसा लगता है कि इस बारे में हमारे सैनिकों का बखान शब्दों से तो किया ही नहीं जा सकता।

लोकतंत्र को कमजोर करने पर तुली बीजेपी

» अखिलेश बोले- आरएसएस की विचारधारा वाले लोगों का हर पद पर कब्जा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि आज सवाल संविधान और लोकतंत्र को बचाने का है। भाजपा की डबल इंजन सरकार में आरएसएस की विचारधारा वाले लोग हर पद पर बैठ गए हैं। जो सरकार संविधान और लोकतंत्र को कमजोर करने पर तुली हो उससे कैसे लड़ाई लड़ी जाय, यह सोचने का विषय है। जो राजनीतिक दल और लोग संविधान और लोकतंत्र को बचाना चाहते है, हम उन्हीं के साथ हैं।

इंडिया गठबंधन के साथ पीडीए इस बार भाजपा को 2024 के लोकसभा चुनाव में करारी शिकस्त देने जा रहा है। एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि चीफ आफ द आर्मी स्टाफ ने कहा है कि 2027 तक एक लाख फौजियों की कमी हो जाएगी। भाजपा अग्निवीर योजना लाकर नौजवानों का भविष्य खराब कर दिया है। चीन हमारी सीमाओं के अंदर आ रहा है। हमारी सीमाएं असुरक्षित है और वही हमारे बाजार पर भी कब्जा कर रहा है। चीन से इस तरह दो तरह से खतरा है। यूपी को केंद्र सरकार के बजट का एक्सप्रेस-वे नहीं मिला। समाजवादी सरकार में जो बिजली घर लगना शुरू हुए थे, उनको मदद मिल जाती तो सस्ती बिजली मिलती। जनता को महंगा बिजली बिल नहीं देना पड़ता। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक्स के जरिये बसपा सुप्रीमो मायावती को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

जो राम के नहीं वो कृष्ण के क्या होंगे: पाठक

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि जो प्रभु श्री राम का नहीं हुआ, वो भगवान श्रीकृष्ण का कैसे होगा। जो श्रीकृष्ण का नहीं हुआ वो यदुवंशी समाज का कैसे हो सकता है? सोमवार को राजधानी के एक होटल में यादव मंच की ओर से आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ने यादव समाज का इस्तेमाल हमेशा वोट बैंक के रूप में किया गया। कभी भी उनकी समस्याओं का निराकरण नहीं किया गया। यादव समाज के राजनीतिक एवं सामाजिक उन्नति कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पाठक ने कहा कि यादव समाज मौका परस्त राजनीतिक पार्टियो से सावधान रहें। श्रीकृष्ण जन्मभूमि का मामला अदालत में है। सरकार यादव साज के साथ कधे से कधा मिलाकर खड़ी है। उन्होंने कहा कि यादव समाज के बगैर समाज की पूर्णता नहीं है।

कमलनाथ के खिलाफ हो रहा है षड़यंत्र : पीयूष बबेले

» कहा- पीएम मोदी से मिलने की बातें कोरी अफवाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। पूर्व सीएम कमलनाथ के मीडिया सलाहकार पीयूष बबेले ने एक्स पर लिखा कि सोशल मीडिया पर षडयंत्रपूर्वक इस तरह की अफवाहें फैलाई जा रही हैं कि पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने प्रधानमंत्री से मिलने का समय मांगा है और वे 21 जनवरी को प्रधानमंत्री से मुलाकात करेंगे। यह खबर पूरी तरह षड्यंत्रकारी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कमलनाथ जी ना तो प्रधानमंत्री से मिलने जा रहे हैं और ना ही उन्होंने मिलने के लिए समय मांगा है। उन्होंने लिखा कि वे 21 जनवरी को दिल्ली में भी नहीं है।

पीयूष बबेले ने लिखा कि ऐसा प्रतीत होता है कि संगठित साजिश के तहत पिछले कुछ दिन से लगातार कमलनाथ जी के विषय में झूठी और बेबुनियाद अफवाहें फैलाई जा रही हैं। इस तरह की हरकतें अत्यंत निंदनीय हैं। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद कांग्रेस आलाकमान ने पीढ़ी परिवर्तन करते हुए प्रदेश अध्यक्ष पद से कमलनाथ को हटा कर जीतू पटवारी को कमान सौंप दी है। इसको लेकर चर्चा चली कि कमलनाथ को बिना बताए पद से हटा दिया गया।

महाराष्ट्र की सियासत से फिर उठी चिंगारी!

कांग्रेस के दिग्गज नेता मिलिंद ने छोड़ी पार्टी

» मुंबई की सियासत पर पड़ सकता है प्रभाव
» पार्टी बोली-कोई फर्क नहीं पड़ता
» नेतृत्व से नाराज थे देवड़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में उठापटक का दौर कुछ समय शांत रहने के बाद शुरू हो गया है। अभी हाल ही में शिवसेना से टूटकर शिंदे गुट में आए विधायकों को विधान सभा अध्यक्ष ने असली शिवसेना बताकर जहां उद्धव ठाकरे को झटका दिया वहीं वहां की सरकार को एक तरह से जीवनदान भी दे दिया। अब नयी चर्चा में महाराष्ट्र फिर एकबार सियासी गलियों में लोगों की जुबां पर चढ़ गया है। दरअसल, वहां के एक दिग्गज कांग्रेसी नेता मिलिंद देवड़ा ने पार्टी छोड़कर शिंदे गुट के शिवसेना का हाथ थाम लिया है। सबसे बड़ी बात तो यह रही उन्होंने यह फैसला तब किया जबकि कांग्रेस ने मणिपुर में अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा की शुरुआत की थी।

वहीं इससे पहले राज्य में एनसीपी के भी दो फाड़ हो गए थे जब शरद पवार के भतीजे अजित पवार ने पार्टी से अलग होकर शिंदे गुट शिवसेना को अपना साथ दे दिया और डिप्टी सीएम बन गए। उधर मिलिंद देवड़ा के शिंदे की शिवसेना में शामिल होने से यह तय हो गया है कि देश की सबसे अमीर संसदीय सीट दक्षिण मुंबई में अब शिवसेना बनाम शिवसेना की लड़ाई होगी। जहां से उद्धव की शिवसेना के अरविंद सावंत भाजपा की मदद से लगातार दो बार से सांसद हैं। इसका असर मुंबई की छह लोकसभा सीटों पर पड़ेगा। मिलिंद के इस निर्णय से मुंबई का सियासी समीकरण भी बदल गया है। जानकारों का कहना है कि मुंबई में मिलिंद देवड़ा के जनाधार वाले इलाके में कांग्रेस कमजोर होगी, तो उद्धव ठाकरे की शिवसेना को भी कोई लाभ नहीं मिल पाएगा। जबकि एकनाथ शिंदे की शिवसेना मुंबई में भाजपा के सहारे अपना जनाधार बढ़ाने में कामयाब हो जाएगी।

उद्धव की शिवसेना के अरविंद सावंत भाजपा की मदद से लगातार दो बार से सांसद हैं। इसका असर मुंबई की छह लोकसभा सीटों पर पड़ेगा। मिलिंद देवड़ा साल 2004 और 2009 में दो बार लगातार दक्षिण मुंबई सीट से जीते, लेकिन साल 2014 मे मोदी लहर के बाद वह लगातार दो बार चुनाव हार गए। सूत्र बताते हैं कि दक्षिण मुंबई लोकसभा सीट को कांग्रेस की उम्मीदवारी को लेकर मिलिंद देवड़ा ने काफी कोशिशें कीं। उन्होंने कुछ दिन पहले दिल्ली जाकर आलाकमान से चर्चा करने की कोशिश की थी। लेकिन उन्हें मिलने का समय नहीं दिया गया। इससे पार्टी से उनकी नाराजगी बढ़ गई। माना जा रहा है कि बंटवारे में दक्षिण मुंबई सीट उद्धव की शिवसेना के खाते में जाते देख मिलिंद देवड़ा ने नई राजनीतिक पारी खेलने का फैसला किया। शिवसेना के दो फाड़ होने के बाद उद्धव गुट की ताकत आधी हो गई है। जाहिर है कि इससे आगामी लोकसभा चुनाव में उद्धव की शिवसेना को वह लाभ नहीं मिल पाएगा, जो 2014 और 2019 में भाजपा के साथ रहते हुए मिला था। इस बीच, दो बार चुनाव हारने के बाद भी मिलिंद देवड़ा के जनाधार में कोई कमी नहीं आई है। दक्षिण मुंबई जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष से लेकर अधिकांश कार्यकर्ता और पूर्व पार्षद मिलिंद के साथ हैं, जो शनिवार को उनके साथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हुए हैं। अगर, दक्षिण मुंबई से उम्मीदवारी मिली तो मिलिंद को इसका लाभ मिल सकता है।

मुंबई में रहा है देवड़ा परिवार का प्रभुत्व

मुंबई कांग्रेस में देवड़ा परिवार का प्रभुत्व रहा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री मुरली देवड़ा करीब 25 साल तक मुंबई कांग्रेस के अध्यक्ष रहे। मुरली देवड़ा के पास कांग्रेस पार्टी की बड़ी जिम्मेदारी थी। दक्षिण मुंबई से मिलिंद देवड़ा दो बार सांसद रहे, तो उनके पिता मुरली देवड़ा ने चार बार इस सीट का प्रतिनिधित्व किया है। पिता के बाद बेटे मिलिंद देवड़ा ने पार्टी के लिए अहम भूमिका निभाई। मुरली देवड़ा के निधन पर उनके अंतिम संस्कार में न केवल सोनिया गांधी बल्कि राहुल और प्रियंका भी मुंबई पहुंची थी। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि देवड़ा परिवार का गांधी परिवार के साथ न केवल राजनीतिक बल्कि पारिवारिक रिश्ते भी थे।

दिल्ली में शिंदे की आवाज बनेंगे देवड़ा

सियासी जानकार मानते हैं कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे दिवंगत शिवसेना प्रमुख बाल ठाकरे के नक्शेकदम पर चल रहे हैं। बाल ठाकरे मराठी की राजनीति में भले ही शिवसेना मराठियों को तरजीह देते थे, लेकिन दिल्ली में पार्टी की आवाज बुलंद करने वाले को मौका देते थे। बाल ठाकरे ने जहां प्रितीश नंदी, राजकुमार धूत और संजय निरूपम को राज्यसभा भेजा था, वहीं, उद्धव ठाकरे ने गैरमराठी प्रियंका चतुर्वेदी को राज्यसभा में भेजा। कहा जा रहा है कि इसी तरह एकनाथ शिंदे ने भी मिलिंद देवड़ा को पार्टी में शामिल किया है। जो हिंदी, अंग्रेजी के साथ मराठी भाषा पर भी अच्छी पकड़ रखते हैं। साथ ही, मिलिंद के दिल्ली कनेक्शन का भी शिंदे की शिवसेना को लाभ मिल सकेगा।

कांग्रेस से निकल चुके हैं कई युवा नेता

मिलिंद देवड़ा का जाना मुंबई में खासतौर पर कांग्रेस के लिए बहुत बड़ा झटका है। एक समय था जब मुंबई में कांग्रेस का मतलब मिलिंद के पिता मुरली देवड़ा ही थे। दिवंगत मुरली देवड़ा एक कद्दावर शख्सियत थे और संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार में पेट्रोलियम मंत्री रहे थे। मिलिंद देवड़ा ने जब कांग्रेस के साथ अपने परिवार का 55 साल पुराना रिश्ता खत्म किया तो किसी को हैरानी नहीं हुई क्योंकि जिस तरह से गांधी परिवार खासतौर पर राहुल गांधी कांग्रेस पार्टी को चला रहे हैं उससे नाराज होकर सिर्फ युवा ही नहीं बल्कि वयोवृद्ध कांग्रेसी भी पार्टी को छोड़ रहे हैं। मिलिंद देवड़ा का कांग्रेस छोड़ कर जाना तो सीधे-सीधे राहुल गांधी के लिए बड़ा झटका है क्योंकि अब उनकी किचन कैबिनेट कह कर पुकारी जाने वाली टीम पूरी तरह बिखर चुकी है। पहले उस टीम से ज्योतिरादित्य सिंधिया निकले, फिर जितिन प्रसाद निकले और फिर आरपीएन सिंह निकले और इन सभी ने भाजपा का दामन थाम लिया। सचिन पायलट ने भी भगवा खेमे की तरह कदम बढ़ा दिया था लेकिन गांधी परिवार के आश्वासन पर उन्होंने अपने पांव पीछे तो खींच लिये लेकिन उनके मुद्दों का हल आज तक नहीं निकला है। इसलिए वह कब तक कांग्रेस में बने रहेंगे, यह बात गारंटी से नहीं कही जा सकती। जहां तक मिलिंद देवड़ा की बात है तो वह अब कांग्रेस का साथ छोड़ कर एनडीए की घटक शिवसेना में शामिल हो गये हैं। बहरहाल, पूर्व केंद्रीय मंत्री और दक्षिण मुंबई से पूर्व सांसद मिलिंद देवड़ा कांग्रेस से इस्तीफा देने के साथ ही उन युवा नेताओं की सूची में शामिल हो गए, जिन्होंने अन्य पार्टियों, मुख्य रूप से भाजपा में नयी पारी शुरू करने के लिए इसे छोड़ दिया। यह इस्तीफा उन युवा नेताओं की अनसुनी चिंताओं की निरंतर गाथा का भी संकेत देता है, जिन्हें एक समय कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का करीबी माना जाता था। नेताओं के पार्टी छोड़ने की हर घटना गांधी परिवार और पार्टी के निचले स्तर के बीच बढ़ती दूरी और नयी पीढ़ी को कमान सौंपने की अनिच्छा से उपजे असंतोष को उजागर करती रही है। देखा जाये तो पुराने मुद्दों का समाधान नहीं होने और पार्टी के भीतर गुटबाजी के कारण राहुल गांधी के करीबी कई होनहार नेताओं को पार्टी छोड़नी पड़ी है। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनावों के समय कांग्रेस की असम इकाई के कद्दावर नेता हिमंत विश्व शर्मा के पार्टी छोड़ने के साथ भाजपा में जाने का जो सिलसिला शुरू हुआ, वह वास्तव में कभी नहीं रुका और कई बड़े नेताओं के इस्तीफे जारी रहे, यहां तक कि पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह भी 2022 में पंजाब चुनाव से पहले व्यक्तिगत अपमान का हवाला देते हुए भाजपा में चले गए। कांग्रेस छोड़ने वाले नेताओं का कहना रहा है कि राहुल गांधी से मिल पाना असंभव है। यह स्पष्ट रूप से एक अलगाव है और ऐसे में व्यक्ति घुटन महसूस करता है।

नीतीश कुमार पर से घटेगा एतबार!

» इंडिया गठबंधन में संयोजक बनने से मना करने के बाद सियासी रार
» भाजपा बोली- नहीं होगा नीतीश का पूरा सपना
» जदयू ने कहा- पार्टी पर सब विषयों पर होगी चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। शनिवार को इंडिया गठबंधन की बैठक में बिहार के सीएम ने संयोजक बनने से मना कर दिया। अब यह पूरा मामला राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के दरबार में पहुंच गया है। इस बीच भाजपा ने जदयू पर निशाना भी साधना शुरू कर दिया है। बीजेपी कह रही है कहा वह पीएम बनने का सपना संजोयक थे अब वह संयोजक लाएक भी नहीं रह गए। वहीं जदयू ने बीजेपी पर अफवाह फैलाने का आरोप लगाकर उसको फटकार लगा दिया है।

नीतीश कुमार ने अपने बयान से अब संयोजक पद का पूरा मामला लालू यादव की गोद में डाल दिया है। यानी कि अब गेंद लालू यादव के पाले में है। साथ ही साथ नीतीश कुमार को लेकर जो चर्चाएं पिछले कुछ दिनों से काफी चल रही थी कि वह एक बार फिर से पलटी मार सकते हैं, इसको फिर से हवा मिल गई है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जिन्होंने इंडिया ब्लॉक का संयोजक बनने से इनकार कर दिया, ने गठबंधन के कुछ सदस्यों द्वारा लालू यादव का नाम सुझाए जाने के बाद इस पद के लिए उनका प्रस्ताव रखा। सबसे पहले नीतीश कुमार को इस गुट का संयोजक बनने की पेशकश की गई थी, हालांकि, उन्होंने इस पद से इनकार कर दिया और कहा कि अगर ऐसा है तो लालू यादव को इंडिया गठबंधन का संयोजक बना दें। यह घटनाक्रम तब हुआ जब इंडिया के सदस्यों ने को एक आभासी बैठक की, हालांकि, टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव बैठक में शामिल नहीं हुए। बैठक के बारे में बोलते हुए, सीपीआई महासचिव डी राजा ने कहा कि यह एक अच्छी मुलाकात थी। बैठक में 12 में से 10 पार्टियां शामिल हुईं...ममता बनर्जी, अखिलेश यादव बैठक में शामिल नहीं हो सके. सीट बंटवारे पर चर्चा हुई। इंडिया ब्लॉक के सभी घटकों को सीट-बंटवारे की बातचीत शुरू करने और उन्हें जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया गया है।

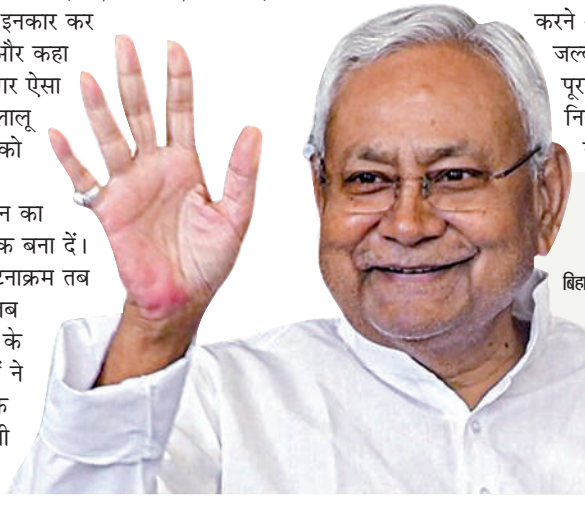

बड़े बेआबरू होकर तेरे कूचे से हम निकले : रविशंकर

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने विपक्षी गठबंधन में हुए घटनाक्रम को लेकर उसपर तंज कसा। पटना साहिब से सांसद प्रसाद ने कहा कि ''नीतीश बाबू ने मुझे उर्दू की पंक्ति 'बड़े बेआबरू होकर तेरे कूचे से हम निकले' की याद दिला दी।'' उन्होंने कहा, ''बैठक में, किसने इंकार किया, किन्हें इकरार किया, किसने तकरार किया, इसकी जांच के लिए एक एसआईटी का गठन किया जाए। उनके ('इंडिया' गठबंधन के) अगली सरकार बनाने की दूर-दूर तक कोई संभावना नहीं है। लेकिन हितों के बड़े टकराव को देखिए। 'इंडिया' गठबंधन का गठन केंद्र में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन(राजग) के विरोधी दलों को पिछले साल एक साथ लाने के कुमार के प्रयासों के बाद हुआ था।

पवार बोले- जल्द सीट शेयरिंग पर होगा फैसला

शरद पवार ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने बैठक के बाद कहा कि मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में इंडिया अलायंस की बैठक हुई। उन्होंने कहा कि हमारी चर्चा हुई कि हम सब जल्द से जल्द सीट शेयरिंग पर फैसला लेंगे। कुछ लोगों ने सुझाव दिया कि गठबंधन का नेतृत्व मल्लिकार्जुन खरगे को करना चाहिए और सभी इस पर सहमत हुए। हमने आने वाले दिनों की योजना बनाने के लिए एक समिति भी बनाई।

नाराज नहीं सीएम नीतीशकुमार : संजय झा

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के एक करीबी सहयोगी ने शनिवार को पुष्टि की कि जनता दल (यूनाइटेड) प्रमुख को 'इंडिया' गठबंधन का संयोजक बनाने का 'प्रस्ताव' डिजिटल माध्यम से हुए गठबंधन नेताओं की बैठक में आया था। जद(यू) के राष्ट्रीय महासचिव संजय कुमार झा ने कहा कि कुमार ने इस पेशकश को अभी तक मंजूरी नहीं दी है, जिस पर पार्टी के अंदर चर्चा की जाएगी। उन्होंने यह दावा भी किया कि बिहार के मुख्यमंत्री कांग्रेस के किसी नेता के अध्यक्ष बनने के पक्ष में हैं। मुख्यमंत्री आवास के बाहर जब पत्रकारों ने उनसे पूछा तो झा ने कहा, ''हां, एक प्रस्ताव आया था।'' वह गठबंधन की सभी बैठकों में कुमार के साथ रहे हैं। उन्होंने कहा, ''मुख्यमंत्री ने अब तक इस प्रस्ताव को अपनी मंजूरी नहीं दी है। हम पार्टी के भीतर इस विषय पर चर्चा करने के बाद आपको बताएंगे।'' जद(यू) नेता ने इस दावे को खारिज कर दिया कि कुमार कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को गठबंधन का अध्यक्ष बनाने के सैद्धांतिक फैसले से नाराज थे। इसके उलट, यह हमारे मुख्यमंत्री ही थे, जिन्होंने स्वयं कांग्रेस से किसी को गठबंधन का नेतृत्व करने का सुझाव दिया था।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

मौसम में हो रहे बदलाव से बढ़ी धरती की चिंता

पिछले कुछ वर्षों में औद्योगिक क्रांति के बाद जीवाश्म ईंधन की बढ़ती खपत को जलवायु परिवर्तन की बड़ी वजह मानते हुए धीरे-धीरे इसका उपयोग बंद करने का वैश्विक संकल्प आखिर कब तक अपना असर दिखाएगा, यह सवाल अब पहले से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है। दिसंबर-जनवरी में बर्फ से ढकी रहने वाली हिमालय की घाटियों में पसरी वीरानी से वैज्ञानिकों का चिंतित होना स्वाभाविक है।

आजकल भारत के उत्तरी भाग में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। ठंड इतनी जबरदस्त है हर कोई परेशान है। ऐसा माना जा रहा है पश्चिमी विक्षोभ में बदलाव के कारण ऐसा हो रहा है। दरअसल, मौसम वैज्ञानिकों का कहना है जलवायु परिवर्तन का असर केवल गर्मी पर ही नहीं पड़ता है बल्कि सर्दी के मौसम को प्रभावित करता है। पिछले कुछ वर्षों में औद्योगिक क्रांति के बाद जीवाश्म ईंधन की बढ़ती खपत को जलवायु परिवर्तन की बड़ी वजह मानते हुए धीरे-धीरे इसका उपयोग बंद करने का वैश्विक संकल्प आखिर कब तक अपना असर दिखाएगा, यह सवाल अब पहले से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है। दिसंबर-जनवरी में बर्फ से ढकी रहने वाली हिमालय की घाटियों में पसरी वीरानी से वैज्ञानिकों का चिंतित होना स्वाभाविक है। जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणामों को कम करने के प्रयासों में लगे विशेषज्ञों और जागरूक नागरिकों को बर्फ-विहीन पहाड़ डराने लगे हैं। यह स्थिति सिर्फ हिमालय की ही नहीं है, बल्कि दुनिया के अन्य बर्फीले इलाकों की भी है।

यह गंभीर प्राकृतिक बदलाव का संकेत है जो आने वाले दिनों में मानव आबादी को गहराई से प्रभावित करेगा। इसका आर्थिक गतिविधियों के संचालन पर तो असर पड़ेगा ही, सामाजिक ताना-बाना भी अक्षुण्ण नहीं रहेगा। पहाड़ों की अर्थव्यवस्था में रीढ़ की हड्डी माने जाने वाले पर्यटन उद्योग पर इसका असर दिखने भी लगा है। इस अवस्था में कोई उल्लेखनीय सुधार होता नजर नहीं आ रहा है। भविष्यवाणी तो यह भी की जा रही है कि वर्ष 2023 की तरह वर्ष 2024 भी गर्मी के सारे रेकॉर्ड तोड़ देगी। बीते साल में जून के बाद से औसत वैश्विक तापमान ने हर महीने गर्मी का नया रेकॉर्ड बनाया है। औद्योगिक क्रांति के बाद जीवाश्म ईंधन की बढ़ती खपत को जलवायु परिवर्तन की बड़ी वजह मानते हुए धीरे-धीरे इसका उपयोग बंद करने का वैश्विक संकल्प आखिर कब तक अपना असर दिखाएगा, यह सवाल अब पहले से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है। तमाम वैज्ञानिक निष्कर्षों में इस बात की पुष्टि हो रही है कि औद्योगिक क्रांति से पहले की तुलना में धरती का तापमान करीब 1.48 डिग्री बढ़ चुका है। आशंका यह भी है कि फरवरी 2024 में समाप्त होने वाली 12 महीने की अवधि में यह अंतर 1.5 डिग्री तक पहुंच सकता है। तो क्या यह मान लिया जाए कि जलवायु परिवर्तन की रफ्तार रोकने के लिए वैकल्पिक ईंधन का उपयोग शुरू करने के बारे में पेरिस समझौते के संकल्पों का कोई खास असर नहीं हो रहा है?अल नीनो जैसी अवस्था बढ़ती जा रही है, जो ग्लोबल वार्मिंग को बढ़ाने का काम करती है। इसके लिए विकासशील देशों को दोषी ठहराना अनुचित होगा। सभी देशों को मिलकर इस चुनौती से निपटना होगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

वैज्ञानिक सोच के लिए जरूरी विज्ञान कांग्रेस

दिनेश सी. शर्मा

आमतौर पर जनवरी माह का पहला सप्ताह भारतीय वैज्ञानिक समुदाय के लिए महत्वपूर्ण समय होता है। यह वह वक्त है जब विशाल सालाना आयोजन- भारतीय विज्ञान कांग्रेस (आईएससी) का अधिवेशन होता है। इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री करते हैं और देशभर से आये हजारों वैज्ञानिक एवं विद्यार्थी इसमें भाग लेते हैं। लेकिन जनवरी, 2024 अलग रहा। जब न केवल जालंधर के पास स्थित एक यूनिवर्सिटी ने आखिरी वक्त पर इसकी मेजबानी करने से हाथ खींच लिए और वजह बताई 'अनदेखी चुनौती' बल्कि आयोजन के लिए धन मुहैया करवाने वाली केंद्र सरकार ने भी। इससे मजबूरन भारतीय विज्ञान कांग्रेस संगठन ने अब यह आयोजन रद्द कर दिया। भारतीय विज्ञान कांग्रेस एक नायाब मंच है। जहां अन्य वैज्ञानिक सम्मेलन किसी विशेष विषय के दायरे में होते हैं, जिनमें चुनींदा शीर्ष वैज्ञानिक भाग लेते हैं, वहीं आईएससी अधिवेशन बहु-विषयक है और इसमें भाग लेने का मौका तमाम नियमित विज्ञान विद्यार्थियों एवं शोधकर्ताओं के लिए खुला होता है।

यह विज्ञान नीति निर्धारकों के लिए महत्वपूर्ण मुद्दों पर विमर्श करने और सरकार को सुझाव देने का मंच रहा है। इस प्रकार के सुझाव नीतियों को स्वरूप देने में मददगार रहे, यहां तक कि नए सरकारी विभागों का सृजन भी संभव हुआ, मसलन, पर्यावरण विभाग, जिसने आगे चलकर मंत्रालय का स्वरूप लिया, और सागर विभाग जो वर्तमान में पृथ्वी विज्ञान के नाम से जाना जाता है। सबसे ऊपर, आईएससी विज्ञान संचार एवं वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के अतिरिक्त जिज्ञासा की ललक को बढ़ाने का काम करती रही। 1914 में अपनी स्थापना के साथ, आईएससी के वार्षिक अधिवेशन कोविड महामारी से बनी रुकावट के दौर के अलावा, बिना नागा होते रहे। विज्ञान कांग्रेस की गाथा और भारत में आधुनिक विज्ञान की उन्नति आपस में गुंथी रही है। आईएससीए की स्थापना भारत में कार्यरत दो ब्रिटिश शिक्षाविदों - कैनिंग कॉलेज, लखनऊ के प्रो. पीएस मैकमोहन और प्रेसिडेंसी कॉलेज, मद्रास के प्रो. जेएल साईमनसन का मूल विचार था।

इसकी प्रेरणा उन्हें ब्रिटिश एसोसिएशन ऑफ एडवांसमेंट ऑफ साइंस से मिली। उद्देश्य था, जो लोग विशुद्ध एवं कार्यकारी विज्ञान में रुचि लेते हों, उन्हें साझा मंच प्रदान करना

और समाज के साथ विज्ञान का राब्ता बनाना। यह पहला ऐसा मंच था जहां गणित, खगोलशास्त्र, भौतिकी, रसायन शास्त्र, भू-विज्ञान और जीव-विज्ञान से जुड़े लोग आपस में मिलते और नवीन विचारों का आदान-प्रदान करते। इस प्रकार की बैठकों को ध्यान में रखकर, सालों तक, नये वैज्ञानिक समाज और व्यावसायिक संस्थानों का उद्भव हुआ- नतीजा रहा समरस भारतीय वैज्ञानिक समुदाय। यह मंच अपनी प्रासंगिकता गंवा चुका है और अभी भी सदी पुरानी रिवायत और प्रारूप में जकड़ा हुआ है। हालांकि इस प्रकार की धारणा सही नहीं है और यह आईएससी के उस क्रमिक विकास को झुठलाना है, जिसने भारत में विज्ञान की उन्नति के विभिन्न चरणों के साथ अपनी गति बनाए रखी। पहला चरण था 1914-1947 का, जब भारतीय साइंसदानों और भारत में स्वरूप ले रहे विश्वविद्यालयों एवं प्रयोगशालाओं में कार्यरत यूरोपियन वैज्ञानिकों के बीच विचारों का आपसी आदान-प्रदान काफी रहा। आईएससी अधिवेशनों में प्रस्तुत सभी खोज-पत्रों की प्रतिद्वंद्वी-मीमांसा होती, जिससे वैज्ञानिक कार्य का आलोचनात्मक मूल्यांकन करने और इसे अंतर्राष्ट्रीय मान्यता देने के सिद्धांत का उद्भव हुआ। भारत में वैज्ञानिक पत्रिकाओं का प्रकाशन भी आईएससी का एक उप-उत्पाद है। मेघनाद साहा द्वारा स्थापित 'साइंस एंड कल्चर' पत्रिका इसका एक प्रमुख उदाहरण है। 1930 के दशक के आखिर में, जब स्वतंत्रता आंदोलन गति पकड़ने लगा और राष्ट्रीय नेतृत्व ने भावी भारत को लेकर योजनाओं की रूपरेखा बनानी शुरू की, तो तीव्र औद्योगिकीकरण एवं सामाजिक दायित्व के जरिये राष्ट्रीय विकास के लिए नूतन विचारों के लिए आईएससी एक सार्थक मंच बना। यह 1937 का अधिवेशन था जब जवाहरलाल नेहरू ने अपने संबोधन में ये कालजयी पंक्तियां कहीं 'विज्ञान युग की आत्मा है और आधुनिक संसार का सिरमौर अवयव।

भविष्य विज्ञान का है और उनका, जो विज्ञान से दोस्ती रखना चाहेंगे और समाज की तरक्की के लिए इसकी मदद लेना चाहेंगे'। वे 1947 में आईएससी के जनरल प्रसिडेंट बने और 1964 में अपने देहांत तक प्रत्येक सालाना अधिवेशन को संबोधित करते रहे। इसके बाद से, वैज्ञानिक समुदाय और आईएससी में अपना संबोधन देना सत्तासीन प्रधानमंत्री के लिए एक रिवायत बन गई और उन्होंने इस अवसर का इस्तेमाल अक्सर महत्वपूर्ण नीतिगत घोषणाओं के लिए किया।

लक्षित दिशा परिवर्तन से रचनात्मक विचार प्रवाह

ध्यान भटकाने के लिए स्कैटर फोकस शब्द का प्रयोग किया जाता है। 'स्कैटर फोकस' जान-बूझकर मस्तिष्क को भटकाने की प्रक्रिया है। क्रिस बेली ने 'हाइपर फोकस' नामक एक पुस्तक लिखी है। 'स्कैटर फोकस' के संदर्भ में उनका कहना है कि, 'स्कैटर फोकस का अभ्यास वास्तव में आपको अपना ध्यान केंद्रित करने की क्षमता में सुधार करने में मदद कर सकता है।' कई बार जब हम एक ही जगह पर ध्यान केंद्रित करते हैं तो हमें कोई नवीन मार्ग नहीं सुझाई देता।

रेनू सैनी

हम सभी ने बचपन से सदैव यह सुना है कि जितना अधिक हम काम पर फोकस करते हैं, उतना ही अधिक हम उसमें प्रवीण होते जाते हैं। लेकिन कई बार ध्यान को भटकाने से जीवन में अनेक उत्पादक एवं रोचक विचार मिलते हैं। यही उत्पादक एवं रोचक विचार नवप्रवर्तन की ओर मुड़ते हैं। ध्यान भटकाने के लिए स्कैटर फोकस शब्द का प्रयोग किया जाता है। 'स्कैटर फोकस' जान-बूझकर मस्तिष्क को भटकाने की प्रक्रिया है। क्रिस बेली ने 'हाइपर फोकस' नामक एक पुस्तक लिखी है। 'स्कैटर फोकस' के संदर्भ में उनका कहना है कि, 'स्कैटर फोकस का अभ्यास वास्तव में आपको अपना ध्यान केंद्रित करने की क्षमता में सुधार करने में मदद कर सकता है।' कई बार जब हम एक ही जगह पर ध्यान केंद्रित करते हैं तो हमें कोई नवीन मार्ग नहीं सुझाई देता। लेकिन जैसे ही हम अपना ध्यान वहां से हटाते हैं और उसे भटकाते हैं तो अचानक ही अनेक रचनात्मक प्रक्रियाएं मस्तिष्क में गूंजने लगती हैं।

गुजरात के अमित दोशी एक कॉर्पोरेट कम्पनी में अपशिष्ट प्रबंधन का कार्यभार संभालते थे। वे अपने कार्य में बहुत ही फोकस थे। कार्य में ध्यानमग्न होने के कारण उन्हें किसी और चीज का होश ही नहीं रहता था। एक दिन उन्होंने अपने कार्य से इतर कुछ देर के लिए आसपास भ्रमण करने का निर्णय लिया। मार्ग में उन्होंने देखा कि कहीं पर जल की अधिकता है तो कहीं पर जल व्यर्थ बह रहा है और कहीं पर लोग पानी के लिए लड़ रहे हैं। बस यही वह क्षण था जब स्कैटर फोकस की स्थिति में उन्होंने एक आविष्कार का निर्णय लिया। यह आविष्कार था वर्षा जल संचयन फिल्टर। अमित दोशी ने इस पर लगातार काम करना आरंभ किया और नीरेन नामक एक छत पर वर्षा जल संचयन फिल्टर का आविष्कार किया। इसकी रख-रखाव लागत बहुत न्यूनतम है। इसमें किसी मानवीय हस्तक्षेप की आवश्यकता भी नहीं है। अभी तक इस उपकरण ने 10 करोड़ लीटर पानी को बचाने में मदद की है। वर्ष 2017 में उन्होंने 17 साल के लंबे कार्यकाल के बाद अपनी नौकरी छोड़ दी थी।

जब उन्होंने वर्षा जल संचयन फिल्टर का आविष्कार करने का निर्णय लिया तो इसके लिए उन्होंने पर्यावरण के विभिन्न क्षेत्रों में शोध किए। कुछ महीनों के शोध के बाद उन्होंने वर्षा जल संचयन की दिशा में काम करने का निर्णय किया। उन्होंने यह निर्णय वर्षा जल संचयन प्रणालियों और उनकी कार्यक्षमता से संबंधित कई मुद्दों को समझने के बाद किया। उन्होंने पाया कि पारंपरिक प्रणालियां महंगी थीं और सेटअप के लिए जगह की आवश्यकता थी। इसके साथ ही इनमें उच्च रख-रखाव लागत खर्च आता था। कई बार इनमें खराबी होने पर प्लंबर या पेशेवर की आवश्यकता होती है।

इन सभी मुद्दों के समाधान के लिए अमित ने नीरेन प्राइवेट लिमिटेड के तहत एक रखरखाव-मुक्त और लागत प्रभावी दो-चरणीय छत वर्षा जल संचयन प्रणाली, नीरेन का निर्माण किया। इस उपकरण को एक हजार से अधिक घरों में स्थापित किया जा चुका है। इसका निर्यात विदेशों में भी किया गया है। इस उपकरण की सहायता से अभी तक दस करोड़ लीटर पानी संचयन हो चुका है। सवाल है कि आखिर स्कैटर फोकस विधि के इतनी अधिक उत्पादक एवं रचनात्मक होने के क्या कारण हैं। दरअसल, जब हमारा मन भटकता है तो वह तीन मुख्य स्थानों की ओर प्रवाहित होता है। ये तीन स्थान हैं— अतीत, वर्तमान एवं भविष्य। अतीत, वर्तमान एवं भविष्य तीनों समय पर आधारित हैं। प्रत्येक समय की उपस्थिति हमें अनेक बातों से परिचित कराती है और इस दौरान हम कई अनुभवों से होकर गुजरते हैं। ये अनुभव कई बार इतने अधिक रचनात्मक होते हैं कि व्यक्ति को कुछ कर गुजरने के लिए प्रेरित कर देते हैं। स्कैटर फोकस दरअसल, आत्मजागरूकता उत्पन्न करता है। अधिक गहराई के साथ नई योजनाओं का सृजन करता है। योजनाओं और सार्थक अनुभवों को अधिक प्रभावशाली तरीके से याद रखने और उनमें उचित सुधार की गुंजाइश उत्पन्न करता है । दूसरों के प्रति समानुभूति और सहानुभूति दोनों ही भावों को उत्पन्न करने में सिद्ध होता है।

इस प्रकार स्कैटर फोकस मोड व्यक्ति के लिए कई मायनों में बेहद सहायक सिद्ध होता है। कोई भी व्यक्ति स्कैटर फोकस को निम्न तीन चरणों में बांटकर अपनी समस्याएं सुलझा सकता है। पहला आत्मसात मोड इसके अंतर्गत अपने मन को उन्मुक्त रूप से भटकने दें और जो भी विचार मन में आए, उसे तुरंत आत्मसात कर कहीं पर लिख लें। समस्या चिंतन मोड सब कार्यों को छोड़कर अपनी समस्याओं को ध्यान में रखें और फिर उनसे संबंधित विचारों को एक डायरी में लिख लें। आदतन मोड इस मोड को सबसे शक्तिशाली बताया गया है। इस मोड में व्यक्ति महत्वपूर्ण कार्यों पर फोकस करना छोड़ कर सरल कामों में जुट जाता है और कई बार बिल्कुल आरामदायक अवस्था में वह ऐसी चीजें खोज लेता है जो लाख एकाग्रता केंद्रित करने पर भी नहीं मिलतीं।

भुजंगासन

पैरों और शरीर दर्द से राहत दिलाने के लिए भुजंगासन लाभदायक है। इस आसन को करने के लिए जमीन पर पेट के बल लेट जाएं। दोनों पैरों के बीच कम दूरी रखें और गहरी सांस लेते हुए कमर के ऊपरी भाग को ऊपर की तरफ उठाएं। इस दौरान कोहनी सीधी रखें और पैरों को मोड़ते समय ज्यादा खिंचाव न लाएं।

सेतुबंधासन

इस आसन को ब्रिज पोज योग भी कहते हैं। सेतुबंधासन पैरों और कमर दर्द से छुटकारा दिलाने में लाभदायक माना जाता है। इस आसन को करने से पैरों की मांसपेशियों में रक्त का संचार बढ़ता है। जिससे पैरों में होने वाला दर्द ठीक होने लगता है। सेतुबंधासन करने के लिए सबसे पहले पीठ के बल लेट जाएं। अब पैरों को कंधे की चौड़ाई से अलग करते हुए घुटनों को मोड़ लें। हथेलियों को खोले और हाथ बिल्कुल सीधा जमीन पर सटा लें। सांस लेते हुए कमर के हिस्से को ऊपर की ओर उठाएं और कंधे व सिर को सपाट जमीन पर टिका कर रखें। बाद में सांस छोड़ते हुए पुरानी स्थिति में आ जाएं। आज के समय में लोगों में थायरॉयड की समस्या खूब हो रही है। थायरॉयड की समस्या में अर्ध सेतुंधासन का अभ्यास करना फायदेमंद होता है। अगर आप नियमित रूप से अर्ध सेतुबंधासन का अभ्यास करते हैं तो इससे आपकी थायरॉयड और पैराथायरायड ग्रंथियां उत्तेजित होती हैं।

हाथ-पैर में है दर्द तो करें ये योगासन

गलत लाइफस्टाइल और खान पान में पोषण की कमी के कारण लोग कई तरह की शारीरिक समस्याओं से पीड़ित हो जाते हैं। आज की भाग दौड़ भरी जिंदगी में काम के चक्कर में लोगों को इधर-उधर भाग दौड़ करनी होती है। व्यस्त शेड्यूल की वजह से शरीर को आराम न मिल पाने पर व्यक्ति के पैरों पर दबाव पड़ता है और पैरों में दर्द की समस्या हो जाती है। गड़बड़ जीवनशैली और लगातार बैठे रहने की आदत के कारण हाथ और पैरों में दर्द बढ़ जाता है। लोग इस शारीरिक दर्द को दूर करने के लिए और हाथ पैर को आराम दिलाने के लिए मालिश करते हैं। मालिश से दर्द में त्वरित आराम तो मिल जाता है लेकिन दर्द लगातार लंबे समय तक बना रहता है। इसलिए शरीर दर्द से निजात के लिए स्थाई इलाज के तौर पर योग फायदेमंद है। योग विशेषज्ञ के मुताबिक, नियमित योगाभ्यास से हाथ पैर में दर्द की समस्या को कम किया जा सकता है। कुछ आसन ऐसे होते हैं, जो पैरों की मांसपेशियों को मजबूती देते हैं और हल्का महसूस कराने में मदद करते हैं।

उत्तानासन

उत्तानासन योगाभ्यास से पैरों के दर्द और जकड़न की समस्या से निजात मिलता है। ये आसन कमर और रीढ़ के लिए भी फायदेमंद होता है। इस आसन को करने के लिए सबसे पहले पैरों को कूल्हे की चौड़ाई से अलग करते हुए घुटनों को सीधा रखें और आगे की ओर झुक कर पैरों के पिछले हिस्से को छूने की कोशिश करें। मस्तिष्क को शांत करता है और तनाव व हल्के डिप्रेशन में राहत देने में मदद करता है। जिगर और गुर्दों के बेहतर कार्य पद्धति में मदद करता है। जांघों और घुटनों को मजबूत करता है। पाचन में सुधार लाता है।

बालासन

बालासन को चाइल्ड पोज कहा जाता है। इस आसन के नियमित योगाभ्यास से पैरों के दर्द की समस्या को कम किया जा सकता है। चाइल्ड पोज को करने के लिए जमीन पर वज्रासन अवस्था में बैठ जाएं। अब सांस अंदर लेते हुए अपने दोनों हाथों को सीधा सिर के ऊपर उठा लें। फिर सांस बाहर छोड़ते हुए आगे की ओर झुकें। हथेलियों और सिर को जमीन पर टिकाते हुए लंबी सांस अंदर लें और बाहर छोड़ें। अब अपनो दोनों हाथों की उंगलियों को आपस में जोड़ें और सिर को दोनों हथेलियों के बीच में धीरे से रख लें। थोड़ी देर इसी अवस्था में रहें और फिर पुरानी स्थिति में आ जाएं।

हंसना मना है

प्रेमिका-'मेरी बड़ी इच्छा है कि अगले जन्म में मैं चांद बनूं। प्रेमी-'और मैं इस चंद्रमा पर उतरने वाला प्रथम अंतरिक्ष यात्री।

पत्नी ने तुनककर पति से कहा-'जब अक्ल बंट रही थी, तो उस वक़्त तुम कहां थे?''प्रिये, उसी वक्त तो हमारे-तुम्हारे फेरे हो रहे थे।' पति ने तपाक से जवाब दिया।

टेलीफोन ऑपरेटर से एक सज्जन ने दिल्ली का नंबर मिलाने का अनुरोध किया। ऑपरेटर ने कहा-'वहां बात करने का शुल्क 100 रुपये है।' उन सज्जन ने स्पष्ट किया-'मुझे बात नहीं करनी है, सिर्फ सुननी है, क्योंकि मैं अपनी पत्नी को ट्रंक कॉल कर रहा हूं।'

'आपको समुद्र-यात्रा बहुत लाभ पहुंचाएगी' सिग्रता से सिग्रता से प्रबन्ध कर लीजिए।' डॉक्टर ने खुद वकील मित्र से कहा। 'कोई लाभ नहीं डॉक्टर! मेरी पत्नी तैरना जानती है!'

एक बार एक अंग्रेज ने इंडियन से कहा-'आपके यहां किसी के गोरा, किसी के काला होता है। ऐसा क्यों?' भारतीय ने कहा-'गधे एक ही रंग के होते हैं तथा घोड़े रंग-बिरंगे होते हैं।'प्रोफेसर-'तुम मेरी क्लास में सो नहीं सकते।'

कहानी | बदसूरत बत्तख

एक बत्तख झील के पास ही पेड़ के नीचे अपने अंडे देने के लिए अच्छी जगह ढूंढी थी। उसने वहां पर पांच अंडे दिए। उसमें से एक अंडा सबसे बहुत अलग था। उसने अंडों से बच्चों के बाहर आने तक का इंतजार किया। फिर एक सुबह उसके चार अंडों में से उसके चार नन्हें बच्चे बाहर आ गए। वो सभी बहुत सुंदर और प्यारे थे। लेकिन उसके पांचवें अंडे से अभी तक बच्चा बाहर नहीं आया था। बत्तख ने कहा कि यह पांचवें अंडे का बच्चा उसका सबसे सुंदर बच्चा होगा, तभी एक सुबह वह पांचवां अंडा भी फूट गया। उसमें से एक बदसूरत बत्तख का बच्चा निकला। यह देखर बत्तख मां बहुत उदास हो गई। बदसूरत होने की वजह से उसके सारे भाई-बहन उसका मजाक भी उड़ाते थे और कोई भी उसके साथ नहीं खेलता था। वह बदसूरत बत्तख का बच्चा बहुत उदास रहने लगा। एक दिन झील में अपनी परछाई देखते हुए वह बदसूरत बत्तख का बच्चा सोचने लगा कि अगर उसने अपने परिवार को छोड़ दिया, तो वो सारे बहुत खुश हो जाएं। यही सोचकर वह किसी घने जंगल में चला गया। जल्द ही सर्दियों के दिन आ गए। हर तरफ बर्फ की बारिश हो रही थी। बदसूरत बत्तख के बच्चे को ठंड लग रही थी। उसके पास खाने-पीने के लिए भी कुछ नहीं था। वहां से वह एक बत्तख के परिवार के पास गया, उन्होंने उसे भगा दिया। फिर वो एक मुर्गी के घर गया, मुर्गी ने भी उसे चोंच मारकर भगा दिया। उसी रास्ते में उसे एक कुत्ते ने देखा, लेकिन कुत्ता भी उसे छोड़कर चला गया। बदसूरत बत्तख उदास मन से सोचने लगा कि वह इतना बदसूरत है कि कुत्ता भी उसे नहीं खाना चाहता है। उदास होकर वह बदसूरत बत्तख का बच्चा फिर से जंगल जाने लगा। रास्ते में उसे एक किसान दिखाई दिया। वह किसान उस बदसूरत बत्तख को अपने घर ले गया। वहां पर उसे एक बिल्ली परेशान करने लगी, तो वह वहां से भी भाग गया और फिर से एक जंगल में रहने लगा। कुछ ही दिनों में बसंत का मौसम आ गया। अब वह बदसूरत बत्तख भी काफी बड़ा हो गया था। एक दिन वह एक नदी के किनारे टहल रहा था। वहां पर उसने एक सुंदर राजहंसी को देखा, जिससे उसे प्यार हो गया। लेकिन फिर उसे लगा कि वह एक बदसूरत बत्तख है इसलिए उसे वह राजहंसी कभी नहीं मिलेगी। शर्म से उसने अपना सिर झुका लिया। तभी उसने नहीं के पानी में अपनी परछाई देखी और वह हैरान हो गया। उसने देखा अब वह बहुत बड़ा हो गया है और एक सुंदर राजहंस में बदल गया है। उसे यह एहसास हो गया कि वह एक हंस है, तभी अपने बाकी के बत्तख भाई-बहनों से काफी अलग था। जल्द ही उस बदसूरत बत्तख से राजहंस बने उस हंस ने हंसनि से शादी कर ली और दोनों खुशी-खुशी रहने लगे।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

व्यापार-व्यवसाय में नए प्रयोग किए जा सकते हैं। प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। यात्रा मनोरंजक हो सकती है।

वृषभ

व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा। मित्रों का सहयोग करने का अवसर प्राप्त हो सकता है। शत्रु सक्रिय रहेंगे।

मिथुन

सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा सफल रहेगी। किसी दूसरे व्यक्ति के काम में हस्तक्षेप न करें। व्यापार-व्यवसाय में धीमापन रह सकता है।

कर्क

भूले-बिसरे साथियों व संबंधियों से मुलाकात होगी। कारोबार में अनुकूलता रहेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। बुद्धि का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा।

सिंह

नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। यात्रा लाभदायक रहेगी।

कन्या

जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। फालतू खर्च होगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। आय में कमी होगी।

तुला

नए अनुबंध होंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। यात्रा मनोनुकूल रहेगी। नया काम मिलेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

वृश्चिक

योजना फलीभूत होगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन हो सकता है। रुके कार्यों में गति आएगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

धनु

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। विवेक का प्रयोग करें। प्रमाद न करें।

मकर

आय बनी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार-व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें।

कुम्भ

घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। उत्साह बना रहेगा। चिंता तथा तनाव कम होंगे। भूमि-भवन व मकान-दुकान इत्यादि की खरीद-फरोख्त मनोनुकूल लाभ देगी।

मीन

जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। धनहानि भी आशंका है। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

सुरभि ने एयरलाइंस पर लगाया मानसिक तौर पर प्रताड़ित करने का आरोप

नागिन 5 से मशहूर हुई सुरभि चंदना ने एयरलाइंस विस्तारा पर मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि उनका प्राथमिकता वाला सामान गलत जगह पर रख दिया गया था। साथ ही उन्होंने आगे आरोप लगाया कि हवाई अड्डे पर एक ग्राउंड स्टाफ सदस्य ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया। वहीं इस मामले में विस्तारा एयरलाइंस ने सुरभि को आश्वासन दिया कि उनकी शिकायत का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा। दरअसल, शनिवार, 13 जनवरी को टीवी अभिनेत्री सुरभि चंदना ने विस्तारा एयरलाइंस द्वारा अपना उच्च प्राथमिकता वाला सामान खो जाने के बाद पोस्ट साझा किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, सबसे खराब एयरलाइंस का पुरस्कार एयरलाइंस विस्तारा को जाता है। प्राथमिकता वाले बैग को कुछ कारणों से उतार दिया गया था। उन्होंने पूरा दिन बर्बाद कर दिया है और मुझे अभी भी आश्वस्त नहीं किया गया है कि बैग मुंबई एयरपोर्ट तक पहुंच गया है या नहीं। उन्होंने आगे कहा, उन्हें यकीन नहीं है कि वे मुझे मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के बाद बैग ढूंढने पर वेंडर को भेजने की व्यवस्था भी कर पाएंगे या नहीं। अक्षम कर्मचारियों के झूठे वादों के कारण मानसिक उत्पीड़न हुआ है। एयरलाइन द्वारा बहुत देरी हुई। मेरा सुझाव है कि आप इस एयरलाइन में उड़ान भरने से पहले 100 बार सोचें। एक अलग पोस्ट में उन्होंने एयरलाइन के एक ग्राउंड स्टाफ पर मुंबई एयरपोर्ट पर बेहद असभ्य होने का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा, दीपिका पवार विस्तारा मुंबई एयरपोर्ट का ग्राउंड स्टाफ बेहद गैर-पेशेवर और कम प्रशिक्षित है। उन्होंने बेहद असभ्य होकर सीधे कहा कि हमें नहीं पता कि आपका बैग कब आएगा और हम कुछ भी नहीं कर सकते। साथ ही जब उनसे डिलीवरी के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मेरे वेंडर व्यस्त हैं और मैं आपको बैग डिलीवर नहीं कर पाऊंगी। आप इसे लेने आ जाएं तो बेहतर होगा। यह एयरलाइन का बेकार स्टाफ और सेवा है और वह भी तब, जब उन्होंने गलती की है।

इमरजेंसी के लिए कंगना ने शुरू की डबिंग

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म इमरजेंसी के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। फिल्म की तैयारी में वे कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं। यह फिल्म देश की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की राजनीतिक यात्रा पर आधारित है। अब वे अपनी आगामी पीरियड ड्रामा फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अपनी नवीनतम सोशल मीडिया पोस्ट में कंगना रनौत ने प्रशंसकों को डबिंग सत्र की एक झलक दी और उन्हें फिल्म की रिलीज के बारे में अपडेट दिया। कंगना ने एक प्यारी तस्वीर में एक कुर्सी पर पैर मोड़कर बैठी हुई हैं और स्क्रिप्ट की ओर देखते हुए डबिंग की तैयारी कर रही हैं। इस पोस्ट के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, आज इमरजेंसी फिल्म के लिए डबिंग शुरू होगी। यह फिल्म पहले नवंबर 2023 में रिलीज होने वाली थी, वहीं अब फिल्म का प्रीमियर 2024 में होगा। प्रशंसकों को इसकी जानकारी देते हुए कंगना ने लिखा, प्रिय दोस्तों, मुझे एक महत्वपूर्ण घोषणा करनी है, इमरजेंसी फिल्म मेरे पूरे जीवन की सीख और कमाई का चरम है। इमरजेंसी मेरे लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं है, यह एक व्यक्ति के रूप में मेरी योग्यता और चरित्र की परीक्षा है। हमारे टीजर और अन्य इकाइयों को सभी से मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया ने हम सभी को प्रोत्साहित किया। मेरा दिल खुशी से भरा है और मैं जहां भी जाती हूं, लोग मुझसे इमरजेंसी की रिलीज डेट के बारे में पूछते हैं। कंगना रणौत ने फिल्म के टीजर को मिली उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने यह भी साझा किया कि टीम ने रिलीज की तारीख को आगे बढ़ाने का फैसला किया है। उन्होंने लिखा था, हमने इमरजेंसी रिलीज की तारीख 24 नवंबर 2023 घोषित की है, लेकिन मेरी बैक-टू-बैक रिलीजिंग फिल्मों के कैलेंडर में सभी बदलावों और 2024 की आखिरी तिमाही के ओवर-पैक होने के कारण हमने इमरजेंसी को अगले साल 2024 में स्थानांतरित करने का फैसला किया है। नई रिलीज डेट जल्द ही घोषित की जाएगी, कृपया हमारे साथ बने रहें, फिल्म के लिए आपकी प्रत्याशा, जिज्ञासा और उत्साह बहुत मायने रखता है। इमरजेंसी में कंगना भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभाती नजर आएंगी। इमरजेंसी में अनुपम खेर, मिलिंद सोमन, महिमा चौधरी, दिवंगत सतीश कौशिक और श्रेयस तलपड़े भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिलहाल दर्शकों को फिल्म की रिलीज डेट का बेसब्री से इंतजार है।

बॉलीवुड | मसाला

ऋतिक रोशन ने की विक्रांत स्टारर 12वीं फेल की तारीफ

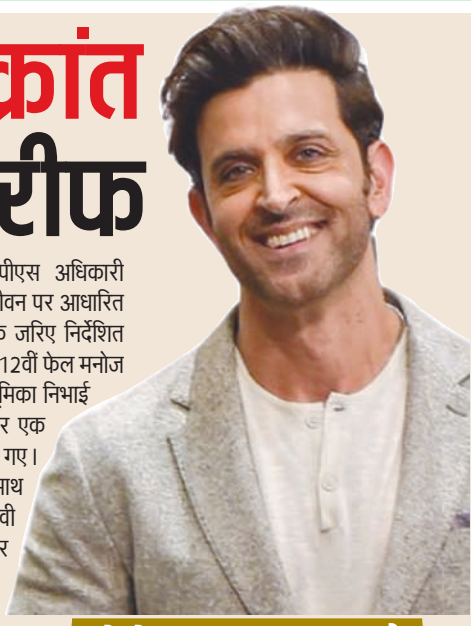

विक्रांत मैसी अपनी हालिया रिलीज फिल्म 12वीं फेल के लिए अपार सराहना के बाद सफलता की बुलंदियों पर हैं। रिलीज के बाद से ही यह फिल्म हर तरफ चर्चा का विषय बनी हुई है और सोशल मीडिया पर राज कर रही है। विधु विनोद चोपड़ा के निर्देशन में बनी यह फिल्म आईएमडीबी पर सबसे ज्यादा रेटिंग वाली फिल्म बनकर उभरी है। इस फिल्म की दर्शकों के साथ-साथ इंडस्ट्री के कई दिग्गजों ने भी जमकर तारीफ की है। अब फाइटर अभिनेता ऋतिक रोशन ने फिल्म की तारीफ की है। उन्होंने फिल्म को मास्टरक्लास बताते हुए कहा कि वह इससे काफी प्रेरित हुए हैं। ऋतिक रोशन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म फाइटर के प्रमोशन में व्यस्त हैं, लेकिन उन्होंने विधु विनोद चोपड़ा की 12वीं फेल देखने के लिए कुछ समय निकाला। फिल्म को देखने के बाद अभिनेता ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर फिल्म की प्रशंसा की। ऋतिक ने लिखा, आखिरकार 12वीं फेल देखी। यह फिल्म निर्माण में काफी मास्टर क्लास है। इसके अलावा मुझे इसका ध्वनि प्रभाव बहुत पसंद आया। निर्देशक की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा, शानदार प्रदर्शन मिस्टर चोपड़ा, क्या फिल्म है, मैं इससे बहुत प्रेरित हूं। ऋतिक से पहले कटरीना कैफ, अनुराग कश्यप और जान्हवी कपूर समेत इंडस्ट्री के दिग्गज कलाकारों ने फिल्म की सराहना की। 27 अक्टूबर, 2023 को रिलीज हुई विक्रांत मैसी की फिल्म 12वीं फेल की कहानी आईपीएस अधिकारी मनोज कुमार शर्मा के जीवन पर आधारित है। विधु विनोद चोपड़ा के जरिए निर्देशित फिल्म में विक्रांत मैसी ने 12वीं फेल मनोज कुमार शर्मा की मुख्य भूमिका निभाई है, जो गरीबी से उबरकर एक आईपीएस अधिकारी बन गए। इस फिल्म में मैसी के साथ मेधा शंकर, अनंत वी जोशी, अंशुमान पुष्कर और प्रियांशु चटर्जी भी हैं। ऋतिक रोशन के वर्कफ्रंट की बात करें, तो अभिनेता अपनी आगामी फिल्म फाइटर की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं।

बोले- मास्टरक्लास है विधु विनोद की फिल्म

अजब-गजब | श्रीलंका का प्राचीन शेर किला, 1100 फीट ऊंची चट्टान पर था बना

खंडहरों को देख हैरान रह जाते हैं लोग!

सिगिरिया श्रीलंका में 5वीं शताब्दी ईस्वी का एक चट्टानी किला है। जिसे 'शेर किला' और चट्टान को 'लॉयन रॉक' के नाम से भी जाना जाता है। सिगिरिया एक खड़ी चट्टान है, जो समुद्र तल से 1144 फीट और आसपास के मैदान से 600 फीट ऊंची है। ये किला इसी चट्टान के ऊपर बना हुआ है, जिस तक पहुंचने के लिए लोगों को 1258 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। कभी ये किला भव्य हुआ करता था, लेकिन अब उसके खंडहर ही शेष बचे हैं, जिन्हें देखकर लोग हैरान रह जाते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पहले ट्विटर) पर इस किले का वीडियो एक यूजर ने पोस्ट किया है, जिसमें आप इस चट्टानी किले के खंडहरों को देख सकते हैं। चट्टान के शिखर और किले के खंडहरों तक पहुंचने के लिए लोग सीढ़ियों से चढ़ते हुए दिखते हैं। किले तक पहुंचने की सीढ़ियां के द्वार पर शेर के दो पंजें चट्टान को काटकर बनाए गए हैं, जिसे 'लॉयन गेट' के नाम से जाना जाता है। साथ ही चट्टान के चारों ओर का हरे-भरे पेड़ों से घिरा इलाका दिखता है। यह वीडियो एक मिनट 28 सेकंड का है। रिपोर्ट के अनुसार, सिगिरिया किले को राजा कश्यप प्रथम ने बनवाया था। कश्यप के पराजित होने तक यह भव्य किला सिंहली साम्राज्य की राजधानी था। इस किले में आज भी लोग किले के खंडहरों, बगीचों, खंदकों, दर्पण की दीवार और भित्तिचित्रों को देख सकते हैं। ये भित्तिचित्र अप्सराओं, दिव्य गायकों और नर्तकियों के हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि राजा कश्यप का जीवन और शासन विवादों से भरा था। दरअसल, राजा का जन्म उनके पिता की गैर-शाही मालकिन से हुआ था। अतः कश्यप को राजगद्दी पर कोई अधिकार नहीं था। नतीजतन, उसने अपने पिता राजा धातुसेना के खिलाफ विद्रोह किया, उन्हें कैद कर लिया गया और मार दिया गया। फिर शव को एक दीवार के भीतर दफना दिया गया और अपने भाई के असली उत्तराधिकारी होने के बावजूद, कश्यप ने सिंहासन ले लिया। सिगिरिया श्रीलंका के सबसे अहम ऐतिहासिक स्मारकों में से एक है और संभवतः देश में सबसे अधिक देखा जाने वाला पर्यटन स्थल भी है। यह यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल है। कुछ लोग कहते हैं कि यह श्रीलंका के पर्यटक स्थलों में सबसे अधिक प्रसिद्ध चट्टान है। बड़ी संख्या में पर्यटक इस चट्टानी किले को देखने के लिए आते हैं, इसलिए भीड़ से बचने के लिए आपको सुबह जल्दी ही किले तक पहुंचना चाहिए। चट्टान की चोटी तक लगभग 1,258 सीढ़ियां हैं, जहां से आपको मनोरम दृश्यों का आनंद मिलेगा।

यहां जन्म से पहले मर गए बच्चे का मनाया जाता है शोक!

एक बच्चे को खोना बहुत दर्दनाक हो सकता है, भले ही वह बच्चा अभी पैदा नहीं हुआ हो। असल में मिसकैरेज, अबॉर्शन या अन्य किसी कारण से अपने बच्चे को खोने वाले पेरेंट्स इस दर्द को अच्छे से समझते हैं। ऐसे कपल्स के लिए जापान में मिजुको कुयो नाम का अनुष्ठान है, जिसकी परंपरा को स्थानीय लोग सदियों से निभाते आ रहे हैं, जिसमें जन्म से पहले मर गए बच्चों का शोक मनाया जाता है। इसके पीछे की वजह दर्दनाक है। क्या है मिजुको कुयो की रिपोर्ट के अनुसार, जापान में अबॉर्शन, मिसकैरेज और जबरन गर्भपात या अन्य किसी तरह से बच्चे को खोने पर शोक मनाने के लिए एक पारंपरिक बौद्ध समारोह होता है, जिसे मिजुको कुयो कहा जाता है, जिसका शाब्दिक अर्थ वॉटर चाइल्ड मेमोरियल सर्विस है। यह पूरे जापान के मंदिरों में और लोगों के घरों में निजी तौर पर भी किया जाता है। बौद्ध विश्वास के अनुसार, जो बच्चा पैदा होने से पहले मर जाता है। वह स्वर्ग नहीं जा सकता, क्योंकि उसे कभी भी अच्छे कर्म अर्जित करने का अवसर नहीं मिला, इसलिए ऐसे बच्चों को सानजू नदी के तट पर साई नो कवारा नामक स्थान पर मूर्ती के रूप में स्थापित किया जाता है। उस दर्द के लिए जो उन्होंने अपने माता-पिता को पहुंचाया। साथ ही लोग अपना दुख और पश्चाताप भी व्यक्त करते हैं। असल में इन मूर्तियों को बोधिसत्व जिज़ो का रूप माना जाता है। अनुष्ठान में उनको प्रसाद चढ़ाया जाता है। साथ ही लाल रंग के कपड़े भी पहने जाए जाते हैं। बोधिसत्व जिज़ो, एक देवता जिसके बारे में माना जाता है कि वह मृत भ्रूणों और बच्चों को परलोक में ले जाता है। बोधिसत्व जिज़ो को इन बच्चों का संरक्षक बताया जाता है। वह इन मृत बच्चों पर नजर रखता है और उनको राक्षसों से बचाता है और उनको अपने साथ स्वर्ग की यात्रा करने में भी मदद करता है। जापान, चीन और थाइलैंड के सिवाय पूरी दुनिया में इस तरह का अनुष्ठान कहीं भी नहीं किया जाता है।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर नहीं थम रहा विवाद

» भाजपा पर बरसा पूरा विपक्ष बोला- धार्मिक कार्यक्रम को बना दिया सियासी मंच

» बीजेपी बोली- आध्यात्मिक समारोह है

» आप मंगलवार को हनुमान चालीसा करवाएगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जैसे-जैसे राम मंदिर का अभिषेक करीब आ रहा है, इस मामले पर राजनीति भी जोर पकड़ती जा रही है। विपक्षी दल ये आरोप लगा रहे है कि इस कार्यक्रम को भाजपा और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) ने चुनावी फायदे के लिए एक राजनीतिक परियोजना बना दिया है। वहीं भाजपा कह रही है यह 550 वर्ष के संघर्ष का परिणाम है। कई लड़ाई लड़ी गई। कई लोगों ने अपने जीवन का बलिदान दिया। वह कह रही है अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह आजादी के बाद सबसे बड़ा आध्यात्मिक कार्यक्रम है और इसे किसी पार्टी से जोड़ना उचित नहीं है। 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में राम मंदिर के अभिषेक का कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर तैयारियां जोरों पर है। सोमवार को राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने राम मंदिर परिसर की ये नई तस्वीरें साझा कीं। इनमें राम मंदिर की भव्यता और सुंदरता दिखाई दे रही है। 22 जनवरी को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा होगी, 500 साल के इंतजार के बाद राम लला अपने महल में विराजित होंगे। जिसे लेकर हर तरफ खुशी का माहौल है। हर राम भक्त को इस दिन का बेसब्री से इंतजार था। राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कायक्रम से पहले आम आदमी पार्टी ने बड़ी घोषणा की है। दिल्ली की सभी विधानसभाओं में मंगलवार को सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा। हर महीने के पहले मंगलवार को आम आदमी पार्टी सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का आयोजन करेगी। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने यह एलान किया है।

पुजारियों ने मंदिर बनाए, राजाओं ने जश्न मनाया : तमिलिसाई सुंदरराजन

तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन ने अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह को राजनीतिक कार्यक्रम कहने के लिए डीएमके सांसद टीआर बालू की आलोचना की। राज्यपाल ने इस कार्यक्रम में शामिल होने में विपक्ष की अनिच्छा के पीछे के उद्देश्यों पर सवाल उठाया और उन पर पवित्र त्योहार का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। राज्यपाल सुंदरराजन ने टिप्पणी करते हुए कहा कि इसका राजनीतिकरण कौन कर रहा है? इसमें (प्राणप्रतिष्ठा) कौन शामिल हो रहा है या कौन इसमें शामिल नहीं हो रहा है? वे उपस्थित क्यों नहीं हो रहे हैं? क्योंकि उन्हें लगता है कि यह एक राजनीतिक उत्सव है। निमंत्रण के बावजूद वे इसमें शामिल नहीं हो रहे हैं क्योंकि यह भगवान का त्योहार है। यह प्रत्येक व्यक्ति के लिए एक लंबा सपना है। तेलंगाना के राज्यपाल ने ऐतिहासिक उदाहरणों का हवाला दिया, जिसमें मंदिरों के निर्माण और उत्सव में तमिल राजाओं और सम्राटों की भागीदारी भी शामिल थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमारे प्रधान मंत्री, जैसा कि मैंने उद्धृत किया, सभी तमिल राजाओं और सम्राटों ने मंदिरों का निर्माण किया, भले ही मंदिर पुजारियों द्वारा बनाया गया हो, यह राजा ही थे जिन्होंने इसे मनाया। उन्होंने सबसे पहले त्योहार को आगे बढ़ाया। कुंभाभिषेकम की शुरुआत उनके द्वारा की गई थी। जब तमिल संस्कृति ऐसी ही रही है, फिर वे प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में शामिल होने पर आपत्ति कैसे कर सकते हैं?

मेरे सपने में आए राम जी, कहा वह अयोध्या नहीं आएंगे : तेज प्रताप

बिहार के मंत्री तेज प्रताप यादव ने दावा किया है कि भगवान राम ने उन्हें सपने में कहा था कि वह 22 जनवरी को अयोध्या राम मंदिर के भव्य अभिषेक कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे। उन्होंने एक समारोह में कहा कि चुनाव खत्म होते ही राम को भुला दिया जाता है...क्या यह अनिवार्य है कि वह 22 जनवरी को आएंगे? चारों शंकराचार्यों के सपने में आए थे। राम मेरे सपने में भी राम जी आए और कहा कि मैं नहीं आऊंगा, यहां पाखंड है।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह एक आध्यात्मिक कार्यक्रम है: किशन रेड्डी

केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने रविवार को कहा कि 22 जनवरी को अयोध्या मे राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह एक आध्यात्मिक कार्यक्रम है और इसे चुनावी फायदा उठाने के लिए आयोजित नहीं किया जा रहा है।भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष रेड्डी ने यहां पत्रकारों से कहा, मुस्लिमों समेत पूरा देश इस पल का इंतजार कर रहा है। यह पार्टी का कोई कार्यक्रम नहीं है। देश ही नहीं बल्कि दुनियाभर के हिंदू इस कार्यक्रम का इंतजार कर रहे है।

राम मंदिर का उद्घाटन कोई आध्यात्मिक कार्यक्रम नहीं : बालू

डीएमके सांसद टीआर बालू ने 22 जनवरी को आयोजित होने वाले प्राणप्रतिष्ठा समारोह के बारे में आपत्ति व्यक्त की थी और सुझाव दिया था कि इसका इस्तेमाल राजनीतिक लाभ के लिए किया जा रहा है। अयोध्या राम मंदिर का उद्घाटन कोई आध्यात्मिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह एक राजनीतिक कार्यक्रम है। 2014 में सत्ता में आने के बाद से भाजपा ने अपने चुनावी वादे पूरे नहीं किए हैं।

सिद्धारमैया नाम के विपरित करते हैं कालनेमि जैसे कामः महंत राजू दास

हनुमानगढ़ी मंदिर के पुजारी महंत राजू दास ने 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने का निमंत्रण अस्वीकार करने के लिए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर हमला किया। उन्होंने कहा कि सिद्धारमैया इतना अच्छा नाम है, जो भगवान राम से जुड़ा है, लेकिन उनकी हरकतें कालनेमि (एक असुर) की तरह हैं, उनकी चिंता बाबर के बारे में, हमलावरों के बारे में और जिस तरह से वे बहुसंख्यक आबादी की भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं - सीटी रवि ने जो कहा वह गलत नहीं है। वहीं भाजपा नेता सीटी रवि ने शनिवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस नेता और उनकी पार्टी अयोध्या में भगवान राम के अभिषेक समारोह में भाग नहीं लेंगे क्योंकि वे बाबर को नहीं छोड़ सकते। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ने कहा है कि वे (प्राणप्रतिष्ठा में) नहीं जायेंगे।

वैचारिक जड़ों से भटक गई है कांग्रेस : मिलिंद देवड़ा

» बोले- रचनात्मक विपक्ष बनने में असफल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। पूर्व कांगेसी नेता व वर्तमान में शिवसेना शिंदे गुट में शामिल हो गए नेता मिलिंद देवड़ा ने कहा है कि कांग्रेस देश की विविध संस्कृतियों और धर्मों का जश्न मनाने से भटक गई है, वह जाति के आधार पर विभाजन को बढ़ावा दे रही है और उत्तर-दक्षिण विभाजन पैदा कर रही है। यह अपनी वैचारिक और संगठनात्मक जड़ों से भटक गई है। देवरा ने कहा कि कांग्रेस न केवल सत्ता में लौटने में विफल रही बल्कि केंद्र में रचनात्मक विपक्ष के रूप में प्रभावी ढंग से काम करने में भी असफल रही है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और शिंदे की साधारण पृष्ठभूमि का जिक्र किया। आज, हम एक चायवाले को दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रधानमंत्री और एक ऑटोरिक्शा चालक को भारत के दूसरे सबसे बड़े राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में सेवा करते हुए देख रहे हैं। यह परिवर्तन देश के राजनीतिक परिदृश्य को समृद्ध करता है और हमारे समतावादी मूल्यों की पुष्टि करता है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस छोड़ने और शिवसेना में शामिल होने के अपने फैसले को सही ठहराया। वह बोले वह एक ऐसे नेता का सहयोग करना चाहते हैं जो रचनात्मक विचारों को महत्व देता हो।

महागठबंधन से घबराई बीजेपी करती है दुष्प्रचार : तेजस्वी

» बोले- सीट शेयरिंग को बार-बार उठाना अनुचित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के पुत्र व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव मीडिया ने कहा कि बिहार की महागठबंधन सरकार के अस्थिर होने के सवाल का बहुत बार जवाब देना बेकार है। उन्होंने कहा कि यह भारतीय जनता पार्टी का दुष्प्रचार है। पूरी तरह आधारहीन है। तेजस्वी यादव ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि असल में जब से यह महागठबंधन बना है तब से भाजपा घबड़ाई हुई है।

जब से आदरणीय लालू जी, मुख्यमंत्री नीतीश जी एक साथ आये हैं और जिस हिसाब से नौकरियां दी जा रही हैं, जब से जातीय आरक्षण बढाया गया है, जातीय जनगणना कराई गई है, स्वयं सहायता समूहों का मानदेह बढाया गया, कई योजनाओं को हमने लाया..इन वजहों से लोगों (भाजपा) में डर तो है। इसलिए कोई भी कुछ भी कहता रहे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। जब गतिरोध नहीं तो बिहार में लोकसभा चुनाव के लिए गठबंधन के अंदर सीट शेयरिंग का फैसला क्यों नहीं हो रहा है, इस सवाल के जवाब में तेजस्वी ने चौंकाते हुए कहा सीट शेयरिंग तो हो भी गया होगा। आप कैसे कह सकते हैं कि नहीं हुआ है?

सीएम के साथ कोई खटास नहीं

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ संबंध में खटास होने के सवाल पर तेजस्वी यादव ने कहा कि यह सब बेकार की बातें हैं। बार यह कितने दिनों से चल रहा है और कितनी बार लोग इस बात को लेकर सफाई क्यों देगा? जो बात एविजस्ट करती ही नहीं है। उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि मकर संक्रांति के मौके पर हमारे घर में लोगों को दही-चूड़ा, तिलकुट खिलाने की एक लम्बे समय से परम्परा चली आ रही है। इसी क्रम में आज इस ठंड में भी हजारों की संख्या में लोग यहां पहुंचे हैं जिनका हमलोगों ने स्वागत किया है। इस मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित मंत्रीमंडल के सभी लोग यहां आए, उनका भी स्वागत किया गया। तेजस्वी यादव ने कहा खुशियां बांटी जाती हैं तो अच्छा लगता है।

नम आखों से सभी ने शायर मुनव्वर को दी अंतिम विदाई

» एशबाग कब्रगाह में किए गए सुपुर्द-ए-खाक

» अखिलेश, शहनवाज, दिनेश शर्मा व जावेद अख्तर ने दी श्रद्धांजलि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अदब तो रायबरेली के खून में है, पर मुझे इसी लखनऊ में दफनाना, ये भी अदब का गहवारा (पालना) है। अपनी वसीयत में दिवंगत शायर मुनव्वर राना ने यह इच्छा जताई थी। इसी के मुताबिक, उन्हें ऐशबाग कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। इससे पहले उनके शव को नदवा ले जाया गया जहां नमाजे जनाजा हुई, जिसे मौलाना जाफर हसनी नदवी ने पढ़वाया। इसके बाद शव को ऐशबाग ले जाया गया।

मुनव्वर राना की बेटी सुमैया राना ने बताया कि वे कहते थे कि अदब का गहवारा है लखनऊ। हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि रायबरेली का भी अदब से गहरा ताल्लुक है, बावजूद इसके वे चाहते थे कि उन्हें लखनऊ में ही दफनाया जाए। हमने उनकी वसीयत के हिसाब से ही उन्हें दफनाया।

लिखकर जगाने का काम किया : सपा प्रमुख

सपा प्रमुख अखलेश यादव ने कहा वह प्रदेश के बड़े शायर थे, उन्होंने लिखकर लोगों को जगाने का काम किया। मैंने खुद देखा है कि उनकी मां पर लिखी लाइनों को सुनने के लिए लोग निवेदन करते थे। ऐसे शायर कम आते है, जो मन में है उसे बिना छिपाए कह जाते थे। कहा कि आजम खां साहब उन्हें लेकर पहली बार सैफई आए, फिर अक्सर मुलाकात होती थी। भगवान उनके परिवार को दुख सहने की शक्ति दे। मुनव्वर राना की शायरी को याद करते हुए कहा- तो अब इस गांव से रिश्ता हमारा खत्म होता है, फिर आंखें खोल ली जाएं कि सपना खत्म होता है।

हिंदुस्तान की तहजीब का एक हिस्सा गिर गया : जावेद अख्तर

जावेद अख्तर ने कहा कि हकीकत है कि आज शायरी का, उर्दू का और हिंदुस्तान की तहजीब का नुकसान हुआ है। हिंदुस्तान की तहजीब का यह एक अहम हिस्सा था, जो गिर गया। एक नस्ल धीरे-धीरे जा रही है। निदा फाजली, राहत साहब और अब मुनव्वर साहब का जाना। इसकी भरपाई तो नहीं हो पाएगी। पर हकीकत है जो आता है वो जाता है। उनके परिवार को हिम्मत मिले। उन्हें हमेशा शायरी के लिए ही जानेंगे लोग। मां को उन्होंने पहली बार शायरी का हिस्सा बनाया। उनका शेर कहने का अपना रंग था।

श्रद्धांजलि देने आने वालों का तांता लगा था। नाते-रिश्तेदारों की भीड़ के बीच जाने-माने लेखक, शायर व गीतकार जावेद अख्तर, मशहूर शायर व उनके जिगरी यार हसन काजमी भी मौजूद रहे।

केजरीवाल आरएसएस का छोटा रिचार्ज : ओवैसी

» सुंदरकांड कराने के फैसले से आप पर भड़के

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने आम आदमी पार्टी (आप) पर एक बार फिर निशाना साधा। उन्होंने अरविंद केजरीवाल की पार्टी को आरएसएस का छोटा रिचार्ज बताया है। दरअसल, अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी ने मंगलवार को दिल्ली के सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में सुंदरकांड पाठ आयोजित करने का फैसला लिया है। ओवैसी ने दावा किया यह निर्णय 22 जनवरी को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मद्देनजर लिया गया।

एएमआईएम प्रमुख ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि ये लोग संघ के एजेंडे का पूरा साथ दे रहे हैं। अब सुंदरकांड का पाठ किस मामले से जुड़ा हुआ है। शिक्षा या स्वास्थ्य? ओवैसी ने कहा कि आरएसएस के छोटा रीचार्ज ने फैसला लिया है कि दिल्ली की हर विधानसभा क्षेत्र में हर महीने के पहले मंगलवार को सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा। ये फैसला 22 जनवरी के उद्घाटन की वजह से लिया गया। बाद में पत्रकारों से ओवैसी ने कहा, जब मैंने देखा कि दिल्ली के सीएम और उनकी सरकार ने फैसला किया है कि हर मंगलवार को सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा का पाठ होगा। तो मेरा कहना है कि आप लोग भाजपा से अलग कैसे हुए? भाजपा-आरएसएस और आप में कोई अंतर नहीं है। आप नरेंद्र मोदी के रास्ते पर ही चल रहे हैं। आप वही करना चाहते हैं जो वह कर रहे हैं। प्रतिस्पर्धी हिंदुत्व की राजनीति को अपनाया जा रहा है।

बिल्किस बानो के मसले पर एक भी शब्द नहीं निकला

उन्होंने आगे कहा कि आपको याद दिला दूं कि ये लोग बिल्किस बानो के मसले पर चुप्पी बनाई रखी थी और कहा था कि वो सिर्फ शिक्षा और सेहत जैसे मसलों पर बात करना चाहते हैं। क्या सुंदरकांड पाठ शिक्षा है या सेहत? असल बात तो यही है के इन्हें इंसाफ से परहेज है। संघ के एजेंडे का पूरा साथ दे रहे हैं। हम बाबरी की बात भी ना करें, आप न्याय, मोहब्बत, फलाना का बाजा बजाते रहो और साथ में हिंदुत्व को मजबूत करते रहो वाह!'

सब वहीं कर रहे जो मोदी चाहते हैं

मकर संक्रांति पर कांग्रेस नेताओं के अयोध्या जाने पर एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा कि आप जो भ्रम की राजनीति करना चाह रहे हैं, उससे क्या फायदा होगा? आप वही कर रहे हैं जो मोदी चाहते हैं। फिर क्या अंतर है? यही हमारी शिकायत रही है और हम इसी से लड़ रहे हैं। फिर हमारे खिलाफ आरोप लगाए जाते हैं।

चंडीगढ़ का मेयर चुनाव साथ लड़ेंगी आप और कांग्रेस : राघव चड्ढा

आम आदमी पार्टी कांग्रेस पार्टी के साथ चंडीगढ़ में मेयर का चुनाव लड़ने जा रही है। दिल्ली में आप सांसद राघव चड्ढा ने बताया कि 18 जनवरी को होने वाला चंडीगढ़ का मेयर चुनाव देश की राजनीति की दशा और ये दिशा बदलने वाला चुनाव है। आगे काह कि यह चुनाव 2024 के चुनाव की नींव रखेगा। आम आदमी पार्टी के नेता और सांसद राघव चड्ढा ने बताया कि इंडिया गठबंधन अपना पहला चुनाव लडने जा रहा है। पहला मैच खेलने जा रहा है। 18 जनवरी को होना वाला मेयर चुनाव कोई आम चुनाव नहीं है। ये राजनीति की तकदीर और तस्वीर बदलने वाला है। 2024 के लिए भाजपा बनाम इंडिया गठबंधन लड़ने जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि ये आम चुनाव नहीं है। पहला भाजपा बनाम इंडिया गठबंधन का मुकाबला है। ये केवल चंडीगढ़ ही नहीं कश्मीर से कन्याकुमारी तक जाएगा। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस चंडीगढ़ नगर निगम के मेयर, सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव मिलकर लड़ेगी। आम आदमी पार्टी मेयर जबकि कांग्रेस सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर पर अपने पार्षदों को चुनाव लड़ाएगी।

कांग्रेस नेता महेश जोशी के परिसरों पर ईडी की रेड

» जल जीवन मिशन में कथित अनियमितताओं की हो रही है जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को जल जीवन मिशन में कथित अनियमितताओं से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच में राजस्थान के पूर्व मंत्री महेश जोशी और कुछ अन्य लोगों से जुड़े परिसरों की तलाशी ली। पिछले साल संघीय एजेंसी ने केंद्र सरकार के कार्यक्रम से जुड़े मामले में कम से कम दो दौर की छापेमारी की थी।

आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग (पीएचई) विभाग के पूर्व मंत्री जोशी से जुड़े स्थानों की धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत तलाशी की जा रही है। राज्य में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में जोशी को जयपुर की हवा महल सीट से चुनाव लड़ने के लिए कांग्रेस ने टिकट देने से इनकार कर दिया था। एजेंसी ने पहले दावा किया था कि कई बिचौलियों और संपत्ति डीलरों ने जल जीवन मिशन से अवैध रूप से अर्जित धन को निकालने के लिए राजस्थान सरकार के पीएचई विभाग के अधिकारियों की सहायता की। जांच में पाया गया कि ठेकेदार इंडियन रेलवे कंस्ट्रक्शन इंटरनेशनल लिमिटेड (आईआरसीओएन) द्वारा जारी कथित फर्जी कार्य समापन प्रमाणपत्रों के आधार पर और पीएचई विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को रिश्वत देकर जल जीवन मिशन कार्यों से संबंधित निविदाएं हासिल करने में शामिल थे, ऐसा आरोप लगाया गया था।

फोटो :4 पीएम

किये दर्शन केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हनुमान सेतु पर मंदिर में स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया और श्रमदान के पश्चात मंदिर में दर्शन कर की पूजा अर्चना।

निहंग सिख ने की बेअदबी को लेकर एक की हत्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के कपूरथला जिले के एक गुरुद्वारे में एक निहंग सिख ने कथित तौर पर एक युवक की हत्या कर दी। आरोपी रमनदीप सिंह ने सोशल मीडिया पर युवक का वीडियो पोस्ट किया और हत्या की जिम्मेदारी ली।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी गुरप्रीत सिंह ने बताया कि एक निहंग सिख ने बेअदबी के संदेह में गुरुद्वारा श्री चौरा खूह साहिब में एक युवक की हत्या कर गयी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पिछले तीन महीनों में कपूरथला में निहंग सिखों से जुड़ी हिंसा की यह दूसरी घटना है। निहंग सिख द्वारा की गई गोलीबारी में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई थी।

आलाकमान के फैसले से दुखी कांग्रेस नेता ने दिया इस्तीफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ग्वालियर। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी जोरों-शोरों से चल रही है। भाजपा नेताओं द्वारा लगातार मंदिरों की सफाई की जा रही है। वहीं, कांग्रेस आलाकमान ने इस समारोह में शामिल होने का एलान कर दिया है। हालांकि, कांग्रेस के दिग्गज नेताओं का अयोध्या न जाने का फैसले से पार्टी के कई नेता नाराज हैं।

इस नाराजगी की वजह से ग्वालियर कांग्रेस के उपाध्यक्ष व तीन बार पार्षद रहे आनंद शर्मा ने सोमवार को कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में कांग्रेस आलाकमान के शामिल न होने के फैसले से दुखी होकर उन्होंने यह फैसला लिया है। कांग्रेस से नाता तोड़ने को लेकर उन्होंने कहा जो कांग्रेस राम की नहीं है, वह अब किसी की नहीं है।

आनंद ने कहा- जो राम के नहीं, वो किसी के नहीं

यूपी में गलन ने बढ़ा दी और ठंड

» कोहरे से मिली थोड़ी राहत, अभी कुछ दिन और सताएगी सर्दी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में मंगलवार की सुबह भी कोहरे ने अपना सितम ढाना नहीं छोड़ा। हालांकि असर कम ही रहा। सोमवार को निकली धूप की वजह से गलन बढ़ गई। जिसकी वजह से ठंड में और तेजी आ गई। शाम से शुरू हुई ठंडी हवाएं रात बीतने के साथ बढ़ती गईं। अवध के कई जिलों में दृश्यता बीते दिनों की तुलना में बेहतर रही। इसके पहले हाड़ कंपाने वाली ठंड से जूझ रहे राजधानी के लोगों को सोमवार को कुछ राहत मिली।

न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी होने और धूप खिलने से दिन का पारा भी लगभग स्थिर बना रहा। कोहरा भी अन्य दिनों की तुलना में कुछ छटा और दृश्यता बढ़ी। हालांकि मौसम विभाग ने घने कोहरे की चेतावनी सूची से लखनऊ को बाहर नहीं किया है। मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक के मुताबिक, अभी ठंड ऐसे ही बनी रहेगी। पारे में मामूली उतार-चढ़ाव होते रहेंगे। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक सोमवार को न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जोकि रविवार को 5.9 था। अधिकतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस रहा। रविवार को यह 14.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था। वहीं बीते कुछ दिनों से दृश्यता 0 से 50 मीटर दर्ज की जा रही थी, लेकिन सोमवार को कोहरा छंटने से 300 मीटर तक दृश्यता दर्ज की गई।

10 से अधिक राज्यों में तीन दिन बारिश के आसार

मौसम विज्ञान विभाग ने बताया, उत्तर पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में अगले तीन दिन शीतलहर चलेगी। एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को 16 जनवरी को प्रभावित कर सकता है। इसके असर से जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, लद्दाख में 16-17 जनवरी व उत्तराखंड में 17-18 जनवरी को कहीं हल्की तो कहीं मूसलाधार बारिश हो सकती है। बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ व पूर्वोत्तर के राज्यों में भी कुछ जगह बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, पंजाब, दिल्ली, राजस्थान, बिहार, असम, पश्चिम बंगाल व सिक्किम के ज्यादातर क्षेत्रों में सोमवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। दिल्ली में लगातार चौथे दिन पारा गिरकर 3.3 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। वहीं, पंजाब के नवांशहर में न्यूनतम तापमान माइनस 0.2 डिग्री, हरियाणा के महेंद्रगढ़ में 4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।